केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 336 गुरूवार 2 जुलाई 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

यूपी की हर पंचायत को मिलेंगे सचिव, 13116 पदों पर भर्ती को हरी झंडी

लखनऊ (आभा)। उत्तर प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में एक अच्छी सरकारी नौकरी के साथ–साथ लोगों की सेवा करने की चाहत रखने वाले युवाओं के लिए खुशखबरी है। यूपी सरकार, ग्राम पंचायतों को सशक्त और गांव सरकार को चाक चौबंद बनाने जा रही है। इस मकसद को हासिल करने के लिए प्रदेश में 13116 पंचायत सचिवों की भर्ती की जाएगी। प्रदेश का पंचायती राज विभाग तीन चरणों में यह भर्ती पूरी करेगा। एक बार भर्ती प्रक्रिया पूरी हो गई तो फिर प्रदेश की हर ग्राम पंचायत को स्वतंत्र सचिव मिल जाएंगे और पंचायतों के कामों को नई रफ्तार मिल सकेगी। पहले चरण में 4372 पंचायत सचिवों की भर्तियां की जाएंगी। उसके बाद के दो अन्य चरणों में भी बराबर संख्या में सचिवों की भर्तियां की जाएंगी।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली स्टेट एक्ज्यूकेटिव कमेटी के सामने पंचायती राज विभाग के साथ–साथ

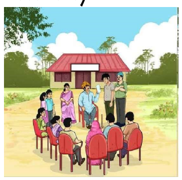

वित्त और ग्राम्य विकास विभाग ने इन भर्तियों के लिए अपनी सैद्धांतिक सहमति दे दी है। लिहाजा भविष्य में प्रदेश की हर ग्राम पंचायत पर एक सचिव की तैनाती के प्रस्ताव पर भी शासन की ओर से सैद्धांतिक रूप से स्वीकृति दे दी गई है।

नई भर्तियों की प्रक्रिया शुरू करने के लिए पंचायत राज विभाग के प्रमुख सचिव अनिल कुमार की ओर से मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली कमेटी की हुई बैठक में लिए गए निर्णय के बारे में मिनट्स (कार्यवृत) जारी कर दिए गए हैं। पंचायत राज विभाग के दस्तावेजों के अनुसार, प्रदेश में करीब 58 हजार ग्राम पंचायतों में से लगभग 42 हजार ग्राम पंचायतों में पंचायत सचिव के पद खाली हैं।

विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान शुरू

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती नेहा वर्मा, नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा, मुख्य चिकित्साधिकारी डा. राजीव निगम ने राजकीय इंटर कॉलेज में विशेष संचारी रोग नियंत्रण/दस्तक अभियान माह का फीता काटकर शुभारम्भ करते हुए जागरूकता रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। यह रैली संचारी रोगों से बचाव, रोकथाम के लिए आम जनमानस को जागरूक करने के उद्देश्य से निकाली गयी। संचारी रोग नियंत्रण अभियान 1 जुलाई से 31 जुलाई तक तथा दस्तक अभियान 11 जुलाई से 31 जुलाई 2025 तक संचालित किया जाएगा।

इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती नेहा वर्मा ने उपस्थित लोगों को बुखार के समुचित इलाज की शपथ भी दिलाई।

86 वें जन्म दिन पर याद किये गये प्रसिद्ध गांधीवादी वंशीधर दूबे

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । प्रसिद्ध गांधीवादी विचारक एवं कला प्रसार समिति के उप सभापति स्वर्गीय वंशीधर दुबे को उनके 86 वें जन्म दिन पर याद किया गया। गांधी कला भवन को नई ऊंचाई देकर वैचारिक केन्द्र बनाने वाले वंशीधर दुबे की जयन्ती पर कला प्रसार समिति के सचिव एवं उनके पुत्र हरिनरायन स्वरूप के संयोजन में गांधी कला भवन स्थित महात्मा गांधी और वंशीधर दुबे की प्रतिमा पर परिजनों और समिति के सदस्यों ने माल्यार्पण कर उनके योगदान पर चर्चा किया।

कला प्रसार समिति के सचिव हरिनरायन स्वरूप ने बताया कि उनके पिता आखिरी सांस तक महात्मा गांधी के विचारों को जन–जन तक पहुंचाने में लगे रहे। नियति ने असमय उन्हें हमसे छीन लिया । उनका योगदान

सदैव याद किया जायेगा।

प्रमुख गांधीवादी विचारक वंशीधर दुबे के 86 वे जन्म दिन पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य रूप से वीरेन्द्रनाथ पाण्डेय, अमरनाथ शुक्ल, अपूर्व शुक्ल, रश्मि, पूजा चौधरी, महेश चौधरी, सूर्यकान्त तिवारी, अरविन्द तिवारी, पदमेश दूबे, अक्षय दूबे, उदय स्वरूप, रत्नेश शुक्ल, घनश्याम मिश्र, विनय दुबे, विवेक पाल, दीन दयाल तिवारी, राकेश मिश्र, शेषनाथ पाठक, पूनम, राम अवतार, गौरवमणि, लालजी, यजत शुक्ला, परमात्मा चौधरी, राजेश चौहान, अनिरूद्ध त्रिपाठी, राजकुमार चौधरी, विश्वम्भर पाण्डेय आदि शामिल रहे।

कोटे की दूकान को लेकर विवादः मारपीट, पीड़ित ने एसपी से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कलवारी थाना क्षेत्र के सरैया बुजुर्ग गांव में पंचायत भवन पर कोटे की दुकान के वितरण को लेकर बुलाई गई बैठक में विवाद हो गया। पुरानी रंजिश को लेकर एक युवक पर जानलेवा हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। पीड़ित ने थाने में तहरीर देकर ग्राम प्रधान, सचिव और दो अन्य लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस अधीक्षक और थानाध्यक्ष को दिए गए प्रार्थना पत्र में सरैया बुजुर्ग निवासी दलित दिनेश पुत्र पूर्णमासी ने कहा है कि गत 30 जून को गांव के पंचायत भवन में कोटे की दुकान के वितरण के संबंध में एक बैठक बुलाई गई थी, जिसमें उन्हें भी आमंत्रित किया गया था। आरोप है कि जब पीड़ित बैठक में पहुंचा, तो वहां पहले से मौजूद लवकुश, अंकुर पुत्रगण राजेंद्र और ग्राम प्रधान मीना यादव ने पुरानी रंजिश को लेकर अभद्र व जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए उसे दौड़ा लिया।

पीड़ित का आरोप है कि विपक्षियों ने लाठी–डंडे और लोहे के कड़े से उस पर जानलेवा हमला कर दिया,

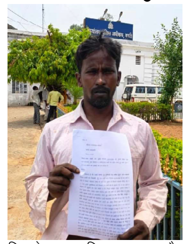

जिससे उसका सिर फट गया और वह वहीं गिर पड़ा। तहरीर में यह भी आरोप लगाया गया है कि घटना के समय मौके पर मौजूद पंचायत सचिव ने भी विपक्षियों को उकसाया और जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल किया। शोर–शराबा सुनकर मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने बीच–बचाव कर पीड़ित की जान बचाई। पीड़ित दिनेश का कहना है कि विपक्षी दबंग किस्म के हैं। उसने पुलिस से डॉक्टरी जांच कराने और आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की गुहार लगाई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चौकी प्रभारी ने बुजुर्ग को पीटा, एसपी से शिकायत : गौर थाना क्षेत्र के टिनिच चौकी प्रभारी वीरेंद्र कुमार कुंवर पर लगा गंभीर आरोप

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बस्ती पुलिस पर बुजुर्ग की पिटाई का गंभीर आरोप लगा है। पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक डा. यशवीर सिंह से मिलकर अपनी आपबीती बताई। दरोगा द्वारा बुजुर्ग की पिटाई के मामले को एसपी ने गंभीरता दिखाते हुए कार्रवाई की बात कही है।

पूरा मामला जिले के गौर थाना क्षेत्र के चौकी प्रभारी टिनिच वीरेंद्र कुमार कुंवर से जुड़ा हुआ है। चौकी क्षेत्र के घुरहूपुर गांव निवासी 65 वर्षीय हंसराज अपने गाटा संख्या 706 में बने मकान पर छत का निर्माण करवा रहे थे। उनकी पड़ोसी जनक दुलारी जो गाटा संख्या 705 और 707 पर न्यायालय से स्टे ली हुई है। उन्होंने निर्माण कार्य में अवरोध पैदा करते हुए पुलिस से काम रोकने की शिकायत की। इसके बाद चौकी प्रभारी मौके पर पहुंचे और हंसराज सहित उनके परिवार के

तीन लोगों को चौकी पर ले आए। हंसराज ने बताया कि उन्होंने जमीन से जुड़ा सभी अभिलेख चौकी प्रभारी को दिखाया। जिसमें स्पष्ट है कि जनक दुलारी द्वारा 705 और 707 गाटा संख्या पर स्टे लिया गया है। 706 पर कोई स्टे नहीं है। बावजूद इसके चौकी प्रभारी द्वारा काम रुकवा दिया गया। जब पीड़ित ने उनसे इसका कारण पूछा तो उन्होंने उसके साथ गाली–गलौज की और चौकी पर उसकी पिटाई कर दी। चौकी प्रभारी यही नहीं माने उन्होंने शांति भंग में हंसराज सहित तीन लोगों का चालान किया। इसके बाद उप जिलाधिकारी भानपुर सत्येंद्र सिंह द्वारा तीनों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। हंसराज पुलिस से लेकर प्रशासन के अधिकारियों के सामने गुहार लगाते रहे। अपने सभी अभिलेख दिखाते रहे। लेकिन किसी ने उनकी कोई सुनवाई नहीं की। चौकी प्रभारी वीरेंद्र कुमार कुंवर द्वारा चौकी के भीतर गाली गलौज करने और पिटाई करने की शिकायत उन्होंने पुलिस अधीक्षक से की है। जिसमें अधिकारियों के स्तर से कार्रवाई की बात कही जा रही है। इस पूरे प्रकरण में सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब न्यायालय द्वारा हंसराज के गाटा संख्या 706 को लेकर कोई इसके आर्डर नहीं जारी किया गया है, तो आखिर पुलिस और प्रशासन ने किस नियम के तहत उनका निर्माण कार्य रोकते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की है।

शिक्षा के बाजारीकरण, पेपर लीक, फीस भरपाई, यूजीसी को लेकर मेधा ने प्रधानमंत्री को भेजा 9 सूत्रीय ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को मेधा पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता दीनदयाल तिवारी के नेतृत्व में पदाधिकारियों कार्यकर्ताओं ने छात्रों, नौजवानों के साथ शिक्षा, पेपर लीक, यूजीसी रेगुलेशन 2026 की वापसी आदि के सवाल को लेकर जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन कर प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री को 9 सूत्रीय ज्ञापन भेजा।

–गरीब छात्रों तक पहुंचे निःशुल्क शिक्षा का लाभ– दीनदयाल तिवारी

ज्ञापन सौंपने के बाद मेधा प्रवक्ता दीनदयाल तिवारी ने कहा कि मेधा द्वारा शिक्षा के बाजारीकरण, पेपर लीक, फीस भरपाई, वजीफा आदि सवालों को लेकर निरन्तर संघर्ष किया जा रहा है। जब तक समस्याओं का समाधान नहीं हो जाता चरणबद्ध ढंग से आन्दोलन जारी रहेगा।

प्रधानमंत्री को भेजे 9 सूत्रीय ज्ञापन में पेपर लीक करने वालों पर कठोर कार्रवाई के साथ सरकारी संस्थानों द्वारा परीक्षा कराने, यूजीसी रेगुलेशन 2026 की वापसी करते हुए यूनिवर्सिटी को विषाक्त वातावरण से सुरक्षित करने, मेधा पार्टी के संस्थापक अध्यक्ष स्वर्गीय लक्ष्मीकांत शुक्ल पूर्व आईएएस के संघर्षों से हासिल दशमोत्तर कक्षाओं में फीस भरपाई एवं वजीफा का शत–प्रतिशत सुविधा उपलब्ध कराये जाने,चाहे शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान सहायता प्राप्त सरकारी हो या गैर सहायता प्राप्त निजी शिक्षण–प्रशिक्षण हो, फर्जी एससी–एसटी एक्ट में दर्ज मुकदमे वापस कराये जाने, अनूसूचित जाति एवं जनजाति के बच्चों को प्राथमिक से लेकर दशमोत्तर कक्षाओं में शून्य फीस पर दाखिला कराये जाने, 6 साल से 14 वर्ष तक के गरीब निर्धन परिवारों के पाल्यों को प्राइवेट स्कूलों में दाखिला सुनिश्चित कराये जाने, एक देश में एक समान पाठ्यक्रम लागू कर प्राइवेट स्कूलों में साल दर साल किताबों के बदलाव एवं कापी किताब स्कूल ड्रेस जूता मोजा आदि पर जबरदस्त कमीशनखोरी पर रोक लगाने, जिन अभिवावकों की वार्षिक आय आठ तक है उनके बच्चे पच्चीस लाख की फीस किस प्रकार से भर सकते हैं या उनके बच्चे ऐसे शिक्षण–प्रशिक्षण संस्थानों में गरीबी के आधार पर शिक्षा से वंचित रहेंगे या सरकार उसका कोई समाधान करेगी, इसका स्पष्टीकरण करने, उच्च शिक्षा प्राप्त करने में आ रही बाधा समाप्त किये जाने, भरत भूषण तिवारी बेलौटी भोजपुर बिहार हत्याकांड में दोषी पुलिसकर्मियों की गिरफ्तारी कर कड़ा दण्ड दिलाये जानें आदि की मांग शामिल है।

ज्ञापन देने के दौरान राहुल तिवारी, संजय प्रधान, कैलाश शर्मा, रूद्र आदर्श पाण्डेय, रामरीका पाण्डेय, घनश्याम मिश्र, अरविन्द तिवारी, सूर्यकान्त तिवारी, राजेश मिश्र, अंशू चौरसिया, गौरवमणि तिवारी, विवेक पाल, गिरीश चन्द्र गिरी के साथ ही बड़ी संख्या में लोग शामिल रहे।

सोशल मीडिया पर अभद्र जातिगत टिप्पणी के विरोध में भारतीय विद्यार्थी मोर्चा ने सौंपा पत्रः दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय विद्यार्थी मोर्चा के जिलाध्यक्ष अमर जीत आर्य पुत्र गंगा राम आर्य, निवासी ग्राम कोपवा, थाना कोतवाली, जिला बस्ती ने पुलिस अधीक्षक को सम्बोधित शिकायती पत्र अपर पुलिस अधीक्षक को सौंपकर हर्षित दुबे पुत्र ललन दुबे, निवासी ग्राम पिपरा मेघऊ थाना कोतवाली के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

अपर पुलिस अधीक्षक को पत्र सौंपने के दौरान भारत मुक्ति मोर्चा पूर्वान्चल जोन प्रभारी आर.के. आरतियन, बहुजन मुक्ति पार्टी के मण्डल अध्यक्ष हृदय गौतम, राम सुमेर यादव, सरिता भारती, दीपक आर्य आदि ने मांग किया कि प्रकरण की जांच और मुकदमा पंजीकृत कराकर न्याय दिलाने की मांग किया।

पत्र में कहा गया है कि अनुसूचित जाति से संबंध रखने वाले अमर जीत आर्य विद्यार्थियों के हितों और समाज में पीड़ित–दुखियों की आवाज उठाने का काम करते हैं, को लेकर कुछ लोग पहले से ही द्वेष भावना रखते हैं। आरोप है कि हर्षित दुबे ने अपने सोशल मीडिया फेसबुक अकाउंट के माध्यम से जानबूझकर जातिसूचक अपशब्दों का प्रयोग करते

हुए शिकायतकर्ता की मां–बहनों को अभद्र भाषा में गाली दी और सार्वजनिक रूप से पोस्ट किया। इस घटना से दलित समुदाय सहित बहुजन समाज के विभिन्न संगठनों में भारी आक्रोश है। उन्होंने बताया कि थाना कोतवाली में इस संबंध में लिखित शिकायत दी गई थी, लेकिन मुकदमा दर्ज करने के बजाय साइबर सेल में तैनात एक कांस्टेबल द्वारा बार–बार फोन कर समझौते का दबाव बनाया गया। आरोप है कि जब बात नहीं मानी गई तो फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी भी दी गई, जिसका स्क्रीनशॉट भी शिकायत पत्र के साथ संलग्न किया गया है।

मुकदमा दर्ज न होने से आरोपी का मनोबल बढ़ा हुआ बताया जा रहा है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि हर्षित दुबे ने फेसबुक पर वीडियो के माध्यम से क्प्ळ महोदय को भी धमकी दी है कि यदि मुकदमा दर्ज हुआ तो इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। भारतीय विद्यार्थी मोर्चा ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि आरोपी के विरुद्ध अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम और आईटी एक्ट की संबंधित गंभीर धाराओं के तहत मुकदमा पंजीकृत कर कानूनी कार्रवाई की जाए।

समाजवादियों ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव के जन्म दिन पर केक काटकर साझा किया खुशियांः पौधों का वितरण कर सपा की मजबूत सरकार बनाने का लिया संकल्प

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । बुधवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुंख्यमंत्री अखिलेश यादव का 53 वां जन्म दिन पं. अटल बिहारी बाजपेई प्रेक्षागृह परिसर में केक काटकर मनाया गया। इसके साथ ही उपस्थित लोगों में पौध वितरित कर सपा प्रमुख अखिलेश यादव के सुदीर्घ जीवन की कामना करते हुये आगामी विधानसभा के चुनाव में मजबूत सरकार बनाने का संकल्प लिया गया।

सपा जिला अध्यक्ष एवं सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि ऐसे समय में जब मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम के मंदिर से करोड़ो रूपयों की चंदा चोरी हो गई, भारतीय जनता पार्टी और संघ परिवार के लोग संविधान को बदलने की बात कर रहे हों, अखिलेश यादव युवाओं, छात्रों, गरीबों, अल्पसंख्यकों के साथ ही जन–जन की उम्मीद है। जिस प्रकार से उन्होने सबसे कम उम्र का मुख्यमंत्री बनकर उदाहरण बनाया था ठीक उसी तरह वे प्रदेश और राष्ट्रीय राजनीति में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। कहा कि अखिलेश यादव युवाओं की प्रेरणा हैं और उनके नेतृत्व में पार्टी निरंतर मजबूत हो रही है। नेताओं ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे राष्ट्रीय अध्यक्ष के विचारों और नीतियों को जन–जन तक पहुँचाने का काम करें। उनके जन्म दिन के उपलक्ष्य में पौधरोपण के साथ ही जनपद में अनेक कार्यक्रम आयोजित किये गये।

पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, सपा विधायक कविन्द्र चौधरी अतुल, राम सिंह यादव, विपिन

–युवाओं, छात्रों, गरीबों, अल्पसंख्यकों के साथ ही जन–जन की उम्मीद हैं अखिलेश यादव– महेन्द्रनाथ यादव

सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष राजकपूर यादव, जावेद पिण्डारी, मो. सलीम, मो0 स्वालेह, पूर्व प्रमुख गोपाल सिंह, सुरेन्द्र सिंह छोटे, राघवेन्द्र सिंह, हरीश गौतम, जमील अहमद, गुलाब सोनकर, आर.डी. निषाद, अखिलेश यादव, हरेश्याम विश्वकर्मा, नितराम चौधरी, रामशंकर निराला आदि ने अखिलेश यादव के यशस्वी जीवन की कामना करते हुये कहा कि आज प्रदेश और देश जिन परिस्थितियों से गुजर रहा है ऐसे में हम समाजवादियों को आपसी भाईचारा बनाने के लिये अभियान तेज करना होगा। वक्ताओं ने कहा कि लोकसभा के चुनाव में जनता का जो विश्वास पार्टी को मिला है अखिलेश जी के जन्म दिन पर संकल्प लेकर इसे आगे बढना होगा जिससे पार्टी आगामी विधानसभा के चुनाव में निर्णायक जीत अर्जित कर सके।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुंख्यमंत्री अखिलेश यादव के 53 वें जन्म दिन पर आयोजित कार्यक्रमों में मो० शमीम, भोलू, अजय यादव, अरविन्द सोनकर, मो० युनुस आलम, मो० आमिर, राजेश यादव एडवोकेट, बैजनाथ शर्मा, सौरभ मिश्रा, धुप चन्द चौधरी, रितिक बाबा वाहिनी, सुशील यादव, डा० दिवेन्द्र श्रीवास्तव, प्रशान्त यादव, रजनीश, सन्तू, अशोक यादव, गिरधारी लाल, रमेश राना, रामचन्दर कन्नौजिया, विवेक यादव, एजाज अहमद, अकबर अली, सुनील यादव, शमीम प्रधान, प्रदीप यादव, राहुल यादव और शशि प्रधान, दीपक आर्या, सुनील यादव, शमीम प्रधान, प्रदीप यादव, राहुल यादव सहित बड़ी संख्या में उपस्थित पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के जन्मदिन पर एक–दूसरे को के खिलाकर खुशियों को साझा किया और सपा सुप्रीमों अखिलेश यादव के सुदीर्घ जीवन की कामना किया।

स्कूल चलो अभियान रैली में गूंजा शिक्षा का संदेश, नामांकन बढ़ाने पर जोर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। विकासखंड हर्रैया में बुधवार को स्कूल चलो अभियान के तहत भव्य जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व खंड शिक्षा अधिकारी विजय आनंद ने किया, जबकि मुख्य अतिथि विक्रमजोत ब्लॉक प्रमुख कृष्ण कुमार सिंह ने प्राथमिक विद्यालय हर्रैया प्रथम से हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। रैली प्राथमिक विद्यालय हर्रैया प्रथम से शुरू होकर पुरानी तहसील के बगल से बाईपास, मुरादीपुर चौराहा और मनोरमा पुल के समीप से होते हुए पुनः विद्यालय परिसर में पहुंचकर संपन्न हुई। रैली में बैंड पार्टी और डीजे के साथ स्कूल चलो अभियान के प्रेरक गीत बजाए जा रहे थे। स्कूली बच्चे हाथों में आकर्षक तख्तियां लेकर चल रहे थे, जिन पर हर बच्चा स्कूल जाएगा, भारत का भविष्य मुस्कुराएगा। आधी रोटी खाएंगे, स्कूल जरूर जाएंगे। शिक्षा है सबका अधिकार, अब न रहे कोई लाचार। बेटा–बेटी एक समान, दोनों को दो शिक्षा का सम्मान जैसे जागरूकता संदेश लिखे थे। विद्यार्थियों ने पूरे मार्ग में लोगों से अपने बच्चों का विद्यालय में नामांकन कराने और

नियमित रूप से स्कूल भेजने की अपील की। मुख्य अतिथि ने कहा कि प्रत्येक बच्चे तक शिक्षा पहुंचाना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने अभिभावकों से अपने बच्चों का शत–प्रतिशत नामांकन कराने और उन्हें नियमित विद्यालय भेजने का आह्वान किया। खंड शिक्षा अधिकारी ने कहा कि स्कूल चलो अभियान का उद्देश्य कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे, यह सुनिश्चित करना है। इसके लिए शिक्षक घर–घर संपर्क कर नामांकन बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं। एआरपी संतोष कुमार शुक्ल, मनोज मिश्र, राजीव शुक्ल, काशीराम वर्मा एवं रवीश कुमार मिश्र ने भी अभियान को जनआंदोलन बनाने तथा प्रत्येक बच्चे को विद्यालय से जोड़ने का आह्वान किया।

रैली में मुख्य रूप से चंदारानी, उर्मिला पाण्डेय, सुधा श्रीवास्तव, निरुपमा तिवारी, मीरा चौधरी, प्रतिमा श्रीवास्तव, तान्या सिंह, गायत्री यादव, शिल्पी गुप्ता, साहिबा खातून, श्री नारायन मिश्र, ओम प्रकाश, सर्वदेव सिंह, उदय प्रताप सिंह, दिवाकर रंजन ओझा, राम सागर, योगेश सिंह, चिन्मय राय, राम रक्षा, जय शंकर पाण्डेय, प्रदीप मलिक, वीरेन्द्र कुमार, अरविंद विश्वकर्मा, अर्जुन कुमार, सुधीर सिंह, मनोज वर्मा, हरी सिंह, विजय कुमार, विश्वजीत गुप्ता, विकास दीप निगम, पीयूष यादव, पवन वर्मा, राकेश प्रकाश श्रीवास्तव, सुनील कुमार, ऋषि सिंह आदि उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 2 जुलाई 2026 गुरूवार

सम्पादकीय

सरकारी स्वास्थ्य सेवा और भ्रष्टाचार

प्रायः सभी सरकारें जनता के स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं पर सबसे ज्यादा ध्यान देने का भरोसा देती हैं, लेकिन इस महकमे में पसरी अव्यवस्था और लोगों को होने वाली असुविधाओं के वास्तविक कारणों को दूर करने को लेकर शायद ही कभी संजीदा होती हैं। दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में दवाओं और चिकित्सा उपकरणों में जिस तरह के घोटाले का खुलासा हुआ, उससे एक बार फिर यही पता चलता है कि सरकारों के लिए आम नागरिकों को एक सुव्यवस्थित और पारदर्शी स्वास्थ्य तंत्र मुहैया कराने का मुद्दा किस हद तक उपेक्षित है।

गौरतलब है कि दिल्ली के स्वास्थ्य विभाग में दवाओं, शल्य चिकित्सा संबंधी सामग्री सहित अन्य उपकरणों की खरीद में कुछ समय पहले करीब साढ़े छह सौ करोड़ रुपए का घोटाला उजागर हुआ। अब इसी मामले की छानबीन के क्रम में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग के दो पूर्व अधिकारियों को गिरफ्तार किया है। आरोपों के मुताबिक, स्वास्थ्य सेवाओं की पूर्व महानिदेशक के अधीन संचालित केंद्रीय खरीद एजंसी के जरिए शल्य चिकित्सा से जुड़े उपकरणों और अन्य चिकित्सा सामग्री की खरीद में बड़े पैमाने पर अनियमितता बरती गई।

इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि जिन अस्पतालों पर एक बड़ी आबादी अपनी बीमारियों के इलाज से लेकर आपात स्थिति में जान बचाने तक के लिए निर्भर होती है, उसे संचालित करने वाले अधिकारी खुद भ्रष्टाचार में लिप्त पाए जा रहे हैं। यह छिपा तथ्य नहीं है कि सरकारी अस्पतालों में इलाज के लिए आमतौर पर समाज का वही तबका जाता है, जो निजी अस्पतालों में महंगे इलाज का खर्च वहन नहीं कर पाता है।

सरकारी अस्पतालों में इलाज के क्रम में अक्सर मरीजों को चिकित्सा सामग्री की कमी का सामना करना पड़ता है, उनके परिजनों को अपने पैसे से दवा या अन्य चिकित्सा उपकरण बाहर से खरीदने पड़ते हैं। जबकि सामान्य स्थितियों में अस्पतालों में मरीजों के इलाज के लिए दवाओं से लेकर अन्य चिकित्सा सामग्री सरकार की ओर से मुहैया कराई जाती है। मगर जब संसाधनों की खरीद से जुड़े अधिकारी ही दवा और अन्य जरूरी उपकरणों की खरीद को निजी कमाई और भ्रष्टाचार का जरिया बना लें, तो मरीजों के प्रति उनकी संवेदनहीनता का अंदाजा लगाया जा सकता है।

सवाल है कि इस स्तर का भ्रष्टाचार लंबे समय तक कैसे जारी रह पाता है और सरकार के तहत काम करने वाली भ्रष्टाचार निरोधक एजंसी तथा अन्य निगरानी तंत्र क्या कर रहे होते हैं। देश की राजधानी होने के नाते उम्मीद की जाती है कि दिल्ली में शासन–तंत्र अपेक्षया बेहतर तरीके से काम करता होगा और किसी भी महकमे में भ्रष्टाचार को रोकने को लेकर ज्यादा चौकस होगा। मगर अलग–अलग विभागों में अक्सर जिस तरह की अनियमितताएं सामने आती रही हैं, उससे साफ है कि यहां भी अन्य जगहों की तरह ही भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों को समय पर रोक पाना एक मुश्किल काम है। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि स्वास्थ्य महकमे में होने वाला घोटाला सीधे–सीधे आम जनता की सेहत और जीवन से जुड़ा मसला है। स्थानीय स्तर पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से लेकर बड़े अस्पतालों तक में चिकित्सा संसाधनों के अभाव के मामले जगजाहिर रहे हैं।

साधारण और गरीब तबकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराने के बजाय अस्पतालों में जारी भ्रष्टाचार पर अगर रोक नहीं लग पा रही है, तो सरकार के जनहित में व्यापक कल्याण कार्यक्रम संचालित करने के दावों को कैसे देखा जाएगा?

जानलेवा होती एसी

आज के समय में एयर कंडीशनर (एसी) को विलासिता की वस्तु के बजाय रोजमर्रा की जरूरत के सामान की तरह देखा जाने लगा है। मगर घर और कमरे के तापमान को ठंडा रखने की यह सुविधा अब जोखिम का सबब बनती जा रही है। हाल के वर्षों में एसी में विस्फोट से आग की घटनाएं एक गंभीर खतरे के रूप में उभरकर सामने आई हैं।

ऐसी ही एक घटना उत्तर प्रदेश में नोएडा के सेक्टर–119 में सामने आई, जहां एक इमारत की इक्कीसवीं मंजिल पर स्थित फ्लैट में एसी में धमाका होने से आग लग गई। हालांकि, इस हादसे में किसी की जान नहीं गई, लेकिन इसने बहुमंजिला इमारतों में आपात स्थिति में सुरक्षा प्रबंधों पर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। इतनी ऊंची इमारत में आग बुझाने में दमकल कर्मियों को कई घंटे लग गए। ऐसे में इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि विभागीय तैयारियों की मौजूदा चुनौतियों के लिहाज से गहन समीक्षा किए जाने की जरूरत है। गौरतलब है कि पिछले दो माह के भीतर देश भर में एसी में विस्फोट से आग की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिनमें संपत्ति के साथ मानवीय क्षति भी हुई है। खबरों के मुताबिक, इस अवधि में नोएडा में ही अब तक डेढ़ सौ से ज्यादा ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं।

एसी में विस्फोट के कई कारण हो सकते हैं। मसलन, लगातार चलाने से कंप्रेसर पर अत्यधिक दबाव, गैस का रिसाव या फिर एसी से जुड़े बिजली के तारों में शॉर्ट सर्किट से भी आग लगने का खतरा बना रहता है। फिर एसी की गुणवत्ता में गिरावट भी एक अहम सवाल है। ऐसी घटनाओं में जान–माल का नुकसान न हो, इसके लिए इमारतों में सुरक्षा के पर्याप्त बंदोबस्त होने चाहिए। मगर यह अफसोसनाक है कि इस ओर न तो शासन–प्रशासन और न ही भवन निर्माताओं का ध्यान जाता है। यही नहीं, दमकल विभाग में संसाधनों का अभाव भी किसी से छिपा नहीं है। इसका ताजा उदाहरण नोएडा में हुए हादसे के दौरान देखने को मिला, जब दमकल गाड़ियों से पानी की बौछार तेरहवीं मंजिल से ऊपर नहीं पहुंच सकी। जाहिर है कि ऐसे खतरों से निपटने के लिए व्यवस्था को हर स्तर पर अधिक सक्षम, आधुनिक और चाक–चौबंद बनाने की आवश्यकता है।

आस्था की चौखट पर असुरक्षा के यक्ष प्रश्न

—डॉ. प्रियंका सौरभ—

भारत की सांस्कृतिक पहचान केवल उसके इतिहास, भाषाओं और परंपराओं से नहीं बनती, बल्कि उन आस्था–स्थलों से भी निर्मित होती है जिन्होंने सदियों से समाज को नैतिकता, सहअस्तित्व और सामुदायिक एकता का संदेश दिया है। मंदिर केवल पूजा–अर्चना के स्थान नहीं हैंय वे विश्वास, संस्कृति, लोकजीवन और सामाजिक सहभागिता के जीवंत केंद्र हैं। यहां लोग केवल ईश्वर के दर्शन करने नहीं आते, बल्कि अपने सुख–दुख साझा करने, मन की शांति पाने और जीवन के संघर्षों में आशा का संबल प्राप्त करने आते हैं। यही कारण है कि जब किसी मंदिर में चोरी होती है, तो उसका प्रभाव केवल आर्थिक नुकसान तक सीमित नहीं रहता। यह करोड़ों लोगों की आस्था, सामाजिक विश्वास और सांस्कृतिक चेतना पर सीधा आघात होता है।

बीते कुछ वर्षों में देश के विभिन्न हिस्सों से मंदिरों में दानपेटियां तोड़ने, नकदी चुराने, बहुमूल्य आभूषण गायब करने, प्राचीन मूर्तियों की तस्करी करने और धार्मिक सामग्री की चोरी जैसी घटनाएं लगातार सामने आती रही हैं। कई मामलों में अपराधियों ने आधुनिक तकनीक का उपयोग किया, जबकि कई घटनाओं में अंदरूनी मिलीभगत की आशंका भी सामने आई। यह स्थिति केवल कानून–व्यवस्था का प्रश्न नहीं है, बल्कि इस बात का संकेत भी है कि समाज के नैतिक मूल्यों और धार्मिक संस्थाओं की सुरक्षा व्यवस्था में कहीं न कहीं गंभीर कमी रह गई है। जिस स्थान को लोग सबसे सुरक्षित और पवित्र मानते हैं, यदि वही अपराधियों के लिए आसान लक्ष्य बनने लगे, तो यह पूरे समाज के लिए चिंता का विषय है।

मंदिरों में चोरी को सामान्य संपत्ति–अपराध की श्रेणी में रखकर उसकी गंभीरता को कम नहीं आंका जा सकता। किसी दुकान, मकान या कार्यालय में चोरी आर्थिक क्षति पहुंचाती है, लेकिन मंदिर में चोरी विश्वास की जड़ों को भी कमजोर करती है। श्रद्धालु अपनी कमाई का एक हिस्सा ईश्वर के प्रति कृतज्ञता, सेवा और समाजहित की भावना से दान करते हैं। वे यह विश्वास रखते हैं कि उनका अर्पण धर्मार्थ कार्यों, सामाजिक सेवा और मंदिर व्यवस्था में उपयोग होगा। जब वही धन चोरी हो जाता है, तो केवल दानपेटी खाली नहीं होती, बल्कि श्रद्धालु के मन में भी संदेह और पीड़ा जन्म लेती है। यही कारण है कि मंदिरों में चोरी की घटनाएं समाज में सामान्य अपराधों की तुलना में कहीं अधिक भावनात्मक प्रतिक्रिया उत्पन्न करती हैं।

ऐसी घटनाओं के पीछे कई कारण हैं। सबसे बड़ा कारण नकद दान की परंपरा है। आज भी देश के अधिकांश मंदिरों में बड़ी मात्रा में नकद चढ़ावा आता है। अनेक छोटे और मध्यम मंदिरों में दान की गणना, सुरक्षित भंडारण और बैंक में जमा करने की वैज्ञानिक व्यवस्था नहीं होती। कई बार दानपेटियां लंबे समय तक नहीं खोली जातीं, जिससे उनमें बड़ी मात्रा में नकदी जमा हो जाती है। यह स्थिति अपराधियों के लिए आकर्षण का केंद्र बन जाती है। जहां सुरक्षा व्यवस्था कमजोर हो और बड़ी मात्रा में नकद धन उपलब्ध हो, वहां अपराध की संभावना स्वाभाविक रूप से बढ़ जाती है।

दूसरा महत्वपूर्ण कारण सुरक्षा व्यवस्था की अपर्याप्तता है। महानगरों के कुछ प्रसिद्ध मंदिरों को छोड़ दिया जाए तो अधिकांश धार्मिक स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे, आधुनिक अलार्म सिस्टम, रात्रि सुरक्षा, प्रशिक्षित सुरक्षा कर्मी और डिजिटल निगरानी जैसी व्यवस्थाएं या तो उपलब्ध नहीं हैं या केवल औपचारिक रूप से स्थापित हैं। कई कैमरे खराब पड़े रहते हैं, रिकॉर्डिंग का बैकअप सुरक्षित नहीं होता और नियमित निगरानी भी नहीं की जाती। अपराधी इन कमियों का अध्ययन कर योजनाबद्ध तरीके से वारदात को अंजाम देते हैं।

प्रबंधन संबंधी कमजोरियां भी ऐसी घटनाओं को बढ़ावा देती हैं। अनेक मंदिरों का संचालन पारंपरिक ढंग से होता है, जहां वित्तीय जवाबदेही और प्रशासनिक पारदर्शिता के स्पष्ट मानक नहीं बने हैं। दान की गणना, लेखा–जोखा, व्यय और भंडारण की प्रक्रिया कई बार व्यवस्थित नहीं होती। जहां जवाबदेही कमजोर होती है, वहां गड़बड़ी और भ्रष्टाचार की संभावना बढ़ जाती है। कुछ मामलों में चोरी बाहरी अपराधियों द्वारा नहीं, बल्कि अंदरूनी मिलीभगत से भी की जाती है। यह स्थिति अधिक चिंताजनक इसलिए है क्योंकि इससे संस्था के भीतर का विश्वास भी टूटता है।

सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियां भी इस समस्या से जुड़ी हुई हैं। बेरोजगारी, नशे की लत, कर्ज का बोझ, त्वरित धन कमाने की मानसिकता और नैतिक मूल्यों का ह्रास कुछ लोगों को अपराध की ओर धकेलता है। हालांकि इन कारणों के आधार पर किसी भी अपराध का औचित्य सिद्ध नहीं किया जा सकता। मंदिरों में चोरी केवल आर्थिक मजबूरी का परिणाम नहीं होतीय अनेक मामलों में यह संगठित अपराध, मूर्ति तस्करी और पेशेवर गिरोहों की सुनियोजित गतिविधि होती है। विशेष रूप से प्राचीन मूर्तियों और दुर्लभ धार्मिक कलाकृतियों की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अवैध मांग भी ऐसे अपराधों को बढ़ावा देती है।

मंदिर में चोरी का सबसे गहरा प्रभाव श्रद्धालुओं की भावनाओं पर पड़ता है। जब कोई व्यक्ति अपने परिवार की खुशहाली, बच्चों के भविष्य, स्वास्थ्य या किसी मनोकामना की पूर्ति के लिए श्रद्धापूर्वक दान करता है, तो वह केवल धन नहीं देता, बल्कि अपना विश्वास भी समर्पित करता है। यदि वही विश्वास असुरक्षित महसूस करने लगे तो समाज में धार्मिक संस्थाओं के प्रति संदेह बढ़ने लगता है। कई लोग दान देने से हिचकने लगते हैं, मंदिर समितियों पर प्रश्न उठने लगते हैं और स्थानीय स्तर पर आरोप–प्रत्यारोप का वातावरण बन जाता है। इस प्रकार एक चोरी केवल धन का नुकसान नहीं करती, बल्कि सामाजिक सौहार्द और सामुदायिक एकता को भी प्रभावित करती है।

धार्मिक स्थलों की सुरक्षा को केवल धार्मिक विषय मानना भी पर्याप्त नहीं है। यह सार्वजनिक नीति, प्रशासनिक दक्षता और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रश्न है। जिस प्रकार बैंक, संग्रहालय, विद्यालय और सार्वजनिक संस्थानों के लिए सुरक्षा के मानक निर्धारित होते हैं, उसी प्रकार मंदिरों के लिए भी न्यूनतम सुरक्षा मानक तय किए जाने चाहिए। प्रत्येक मंदिर की आय, आकार और संवेदनशीलता के आधार पर सुरक्षा व्यवस्था विकसित की जा सकती है। बड़े मंदिरों में अत्याधुनिक निगरानी व्यवस्था, नियंत्रित प्रवेश, सुरक्षा कर्मियों की तैनाती और डिजिटल प्रबंधन आवश्यक है, जबकि छोटे मंदिरों में स्थानीय पुलिस, ग्राम समितियों और नागरिकों के सहयोग से प्रभावी सुरक्षा तंत्र विकसित किया जा सकता है।

आज के डिजिटल युग में तकनीक इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उच्च गुणवत्ता वाले सीसीटीवी कैमरे, क्लाउड आधारित रिकॉर्डिंग, गति–संवेदी अलार्म, बायोमेट्रिक प्रवेश प्रणाली, स्मार्ट लॉक और आपातकालीन सूचना प्रणाली मंदिरों की सुरक्षा को मजबूत बना सकती हैं। दानपेटियों को निर्धारित समय पर ही खोला जाए और यह प्रक्रिया कम–से–कम दो या तीन जिम्मेदार व्यक्तियों की उपस्थिति में पूरी पारदर्शिता के साथ संपन्न हो। नकद गिनती की वीडियो रिकॉर्डिंग, हस्ताक्षरित रजिस्टर और बैंक में तत्काल जमा की व्यवस्था से अनियमितताओं की संभावना काफी कम हो सकती है।

डिजिटल दान प्रणाली भी समय की आवश्यकता बन चुकी है। यूपीआई, क्यूआर कोड, नेट बैंकिंग और ऑनलाइन भुगतान जैसी व्यवस्थाएं नकदी पर निर्भरता कम कर सकती हैं। इससे चोरी का जोखिम घटेगा और दान की पारदर्शिता भी बढ़ेगी। श्रद्धालुओं को डिजिटल रसीद उपलब्ध कराई जा सकती है तथा मंदिरों की आय और व्यय का वार्षिक विवरण सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित किया जा सकता है। पारदर्शिता बढ़ने से श्रद्धालुओं का विश्वास भी मजबूत होगा और प्रबंधन की विश्वसनीयता भी बढ़ेगी।

सुरक्षा व्यवस्था केवल उपकरणों से मजबूत नहीं होतीय उसके लिए उत्तरदायी प्रबंधन भी आवश्यक है। मंदिर समितियों को नियमित आंतरिक और बाहरी ऑडिट कराना चाहिए। आय–व्यय का स्वतंत्र परीक्षण, संपत्तियों का डिजिटलीकरण, बहुमूल्य आभूषणों का सुरक्षित भंडारण और समय–समय पर भौतिक सत्यापन अनिवार्य होना चाहिए। जहां जवाबदेही स्पष्ट होगी, वहां भ्रष्टाचार और चोरी की संभावनाएं स्वतः कम होंगी।

समाज की भूमिका भी इस विषय में अत्यंत महत्वपूर्ण है। किसी भी धार्मिक स्थल की सुरक्षा केवल सरकार या पुलिस की जिम्मेदारी नहीं हो सकती। स्थानीय समुदाय, श्रद्धालु, स्वयंसेवी संगठन और मंदिर समितियां यदि सामूहिक जिम्मेदारी का भाव विकसित करें तो अपराधियों के लिए अवसर कम हो जाएंगे। पड़ोस की सतर्कता, संदिग्ध गतिविधियों की समय पर सूचना और सामुदायिक निगरानी कई अपराधों को घटित होने से पहले ही रोक सकती है। मंदिर केवल पुजारियों या ट्रस्ट की संपत्ति नहीं हैंय वे पूरे समाज की सांस्कृतिक धरोहर हैं।

नैतिक शिक्षा का भी इस संदर्भ में विशेष महत्व है। यदि बचपन से ही बच्चों और युवाओं में ईमानदारी, सार्वजनिक संपत्ति के सम्मान और धार्मिक स्थलों की गरिमा के प्रति संवेदनशीलता विकसित की जाए तो अपराध की मानसिकता को जड़ से कमजोर किया जा सकता है। विद्यालयों, परिवारों और सामाजिक संस्थाओं को यह संदेश देना होगा कि मंदिरों की सुरक्षा केवल ताले और कैमरों से नहीं, बल्कि चरित्र और संस्कारों से भी होती है। कानून भय पैदा कर सकता है, लेकिन नैतिकता अपराध की इच्छा को समाप्त करती है।

कानून व्यवस्था को भी ऐसे मामलों में अधिक प्रभावी बनाना होगा। यदि मंदिरों में चोरी संगठित अपराध, मूर्ति तस्करी या धार्मिक भावनाओं को आहत करने के उद्देश्य से की गई हो तो उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई आवश्यक है। जांच में देरी, लंबी न्यायिक प्रक्रिया और कमजोर अभियोजन अपराधियों का मनोबल बढ़ाते हैं। त्वरित जांच, वैज्ञानिक साक्ष्य, प्रभावी अभियोजन और समयबद्ध न्याय से ही यह संदेश जाएगा कि धार्मिक स्थलों की सुरक्षा के साथ किसी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। सजा का उद्देश्य केवल दंड देना नहीं, बल्कि भविष्य के अपराधों को रोकना भी होना चाहिए।

इसके साथ ही यह भी आवश्यक है कि समाज इस विषय को राजनीतिक या सांप्रदायिक दृष्टि से देखने की बजाय एक साझा नागरिक उत्तरदायित्व के रूप में स्वीकार करे। किसी भी धर्मस्थल पर अपराध, उस धर्म विशेष का नहीं बल्कि पूरे समाज के नैतिक ताने–बाने का प्रश्न है। आस्था के केंद्र सुरक्षित रहेंगे तभी सामाजिक विश्वास भी सुरक्षित रहेगा। धार्मिक संस्थाओं की विश्वसनीयता, पारदर्शिता और सुरक्षा लोकतांत्रिक समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि मंदिरों को केवल पूजा–अर्चना के स्थान के रूप में नहीं, बल्कि ऐसे सार्वजनिक संस्थानों के रूप में देखा जाए जहां श्रद्धा के साथ–साथ उत्तरदायित्व, पारदर्शिता और आधुनिक प्रबंधन भी समान रूप से महत्वपूर्ण हों। परंपरा और तकनीक का संतुलित समन्वय ही भविष्य की दिशा है। यदि आस्था की रक्षा करनी है तो सुरक्षा को भी उतनी ही गंभीरता से अपनाना होगा जितनी श्रद्धा को दी जाती है।

मंदिरों में चोरी केवल ताले टूटने की घटना नहीं होतीय वह समाज के विश्वास में दरार पड़ने का संकेत होती है। इस दरार को भरने के लिए केवल पुलिस कार्रवाई पर्याप्त नहीं, बल्कि संवेदनशील प्रशासन, आधुनिक सुरक्षा, पारदर्शी प्रबंधन, सक्रिय समाज और मजबूत नैतिक संस्कृतिकृइन सभी का संयुक्त प्रयास आवश्यक है। जब श्रद्धा के साथ सुरक्षा, विश्वास के साथ जवाबदेही और परंपरा के साथ आधुनिक व्यवस्था जुड़ेगी, तभी मंदिर वास्तव में समाज की आत्मा और विश्वास के सबसे सुरक्षित केंद्र बने रह सकेंगे। अन्यथा हर नई चोरी केवल धन की नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक आस्था और सामाजिक विश्वास की चोरी बनती रहेगी।

डिजिटल सेवाएं, साइबर ठगी और बुर्जुग

—विवेक शर्मा—

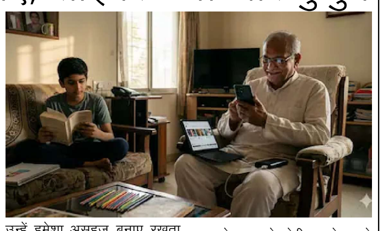

तकनीक दौर में चुनौती यह है कि विकास समावेशी हो। डिजिटल सेवाओं का डिजाइन वरिष्ठ नागरिकों की जरूरतों के अनुरूप बनाया जाए। बैंकिंग व सरकारी एप अधिक सरल हों, बड़े वित्तीय लेनदेन में अतिरिक्त मानवीय सत्यापन की व्यवस्था हो तथा साइबर सुरक्षा को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाए जाएं।

तकनीक ने मानव जीवन की रफ्तार को अभूतपूर्व गति दी है। सुबह की चाय के डिजिटल भुगतान से लेकर हवाई टिकट और बैंकिंग तक, सब कुछ अब एक छोटी–सी स्क्रीन पर सिमट गया है। युवाओं के लिए यह सुविधा और अवसर का नया संसार है, लेकिन हमारे बुजुर्गों के लिए यही दुनिया कई बार उलझन, असुरक्षा और निर्भरता का कारण बन जाती है। अपनों से जुड़े रहने की खुशी और हर काम के डिजिटल होने की मजबूरी के बीच पुरानी पीढ़ी जिस संघर्ष से गुजर रही है, वह आज की एक बड़ी विडंबना बन गई है।

स्मार्टफोन अब केवल युवाओं का उपकरण नहीं रहा। दादा–दादी वीडियो कॉल पर दूर बैठे अपने पोते–पोतियों को देखकर भावुक हो उठते हैं। व्हाट्सएप पर परिवार से जुड़े रहना, पुराने मित्रों को खोजना और यूट्यूब पर भजन सुनना उनके अकेलेपन को काफी हद तक कम करता है। लेकिन यही तकनीक कई बार उनके लिए परेशानी का कारण भी बन जाती है। स्क्रीन पर दर्जनों एप, लगातार आने वाले संदेश, अचानक बदली हुई सेटिंग या किसी जरूरी फाइल के मिट जाने का डर उन्हें हमेशा असहज बनाए रखता है। छोटी–सी तकनीकी चूक भी उनका आत्मविश्वास डगमगा देती है। कई बुजुर्ग इस डर से स्मार्टफोन का सीमित उपयोग करते हैं और हर नए डिजिटल काम के लिए परिवार के किसी सदस्य का इंतजार करते हैं। उनकी आत्मनिर्भरता भी प्रभावित होती है।

सबसे गंभीर चिंता साइबर ठगी का बढ़ता खतरा है। डिजिटल दुनिया की सीमित समझ का फायदा उठाकर अपराधी बुजुर्गों को सबसे आसान निशाना बना रहे हैं। फर्जी बैंक अधिकारी, पुलिसकर्मी या सरकारी कर्मचारी बनकर फोन करना अब आम बात हो गई है। शडिजिटल अरेस्टश जैसे नए साइबर अपराधों में ठग वीडियो कॉल के जरिए कानूनी कार्रवाई का डर दिखाकर वरिष्ठ नागरिकों से लाखों–करोड़ों रुपये ठग लेते हैं। केवाईसी अपडेट, पेंशन बंद होने या बैंक खाते के सत्यापन के नाम पर ओटीपी और बैंक विवरण हासिल कर जीवनभर की जमा–पूंजी साफ कर दी जाती है। आर्थिक नुकसान उन्हें गहरा मानसिक आघात भी पहुंचाता है, जिससे कई बुजुर्ग अवसाद और असुरक्षा के शिकार हो जाते हैं। कई मामलों में ठगी के बाद वे खुद को दोषी मानने लगते हैं, परिवार के सामने अपनी बात रखने से हिचकिचाते हैं। स्थिति आर्थिक ही नहीं, भावनात्मक संकट भी पैदा करती है।

मगर वे इस डिजिटल व्यवस्था से दूर नहीं रह सकते। पेंशन, बैंकिंग, बिजली–पानी के बिल, सरकारी योजनाएं और स्वास्थ्य सेवाएं लगातार ऑनलाइन होती जा रही हैं। पहले पेंशनभोगी बैंक जाकर जीवन प्रमाण पत्र जमा करते थे। अब डिजिटल जीवन प्रमाण की प्रक्रिया में बायोमेट्रिक सत्यापन जरूरी है। बढ़ती उम्र के साथ उंगलियों के निशान धुंधले पड़ जाने से कई बार सत्यापन सफल नहीं हो पाता। ऐसे में उन्हें बार–बार सेवा केंद्रों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। बैंकिंग भी अब पासबुक से आगे बढ़कर पासवर्ड, ओटीपी और मोबाइल एप पर निर्भर हो गई है। एक पासवर्ड भूल जाने का मतलब कई बार अपने ही पैसे के लिए दूसरों पर निर्भर हो जाना है। रेलवे टिकट, अस्पताल में पंजीकरण, गैस बुकिंग, बीमा, पेंशन और सरकारी योजनाओं का लाभ लेने जैसी अनेक सेवाओं में भी डिजिटल माध्यम प्रमुख हो चुका है। ऐसे में तकनीक से दूरी का अब विकल्प नहीं रह गया है।

चंदा चोरी पर गरमाई राजनीति

—संजय सक्सेना—

अयोध्या के रामलला मंदिर में चढ़ावे और दान की राशि में कथित गड़बड़ी का मामला अब केवल आस्था और आपराधिक जांच का विषय नहीं रह गया, बल्कि यह अगले साल होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले सबसे बड़े राजनीतिक हथियार के रूप में उभरता दिख जरूर रहा है, लेकिन ऐसा हो पायेगा, यह समय बतायेगा। 07 जून को समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इस मामले को सार्वजनिक करते हुए योगी सरकार पर सीधा हमला बोला था। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कहा था कि अयोध्या में मंदिर के चढ़ावे को लेकर जो जानकारी सामने आई है, वह गंभीर चिंता का विषय है। इसके साथ ही यह मामला राष्ट्रीय सुर्खियों में आ गया और सत्ता पक्ष व विपक्ष के बीच आरोप–प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तेजी दिखाते हुए 13 जून को राम मंदिर ट्रस्ट की सिफारिश पर तीन सदस्यों वाली एसआईटी का गठन कर दिया। जांच टीम ने मंदिर परिसर पहुंचकर सीसीटीवी फुटेज, बैंक रिकॉर्ड और दान गिनने वाले कर्मचारियों से पूछताछ शुरू की। शुरुआती जांच में ही चौंकाने वाले खुलासे सामने आए। करीब 2 करोड़ रुपये नकद, एक कार और तीन आईफोन बरामद होने का दावा किया गया, जबकि कुछ कर्मचारियों से पूछताछ जारी रही। बाद में एसआईटी की 20 पन्नों की रिपोर्ट में और भी गंभीर तथ्य सामने आए। रिपोर्ट के मुताबिक, सीसीटीवी फुटेज में चढ़ावा चोरी की 70 घटनाएं दर्ज हुई और यह कथित रैकेट पिछले दो से तीन वर्षों से सक्रिय था। जांच में यह भी सामने आया कि मुख्य आरोपी टिन्नू यादव के पास बिना किसी आदेश के हुंडियों की चाबियां मौजूद थीं, और पूछताछ में कुछ सरकारी बैंक कर्मचारियों की संलिप्तता के संकेत भी मिले।

रिपोर्ट आने के बाद योगी सरकार ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 26 जून को मामले में एफआईआर दर्ज कर आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इस घटनाक्रम के दबाव में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्ट सदस्य अनिल मिश्रा ने अपने–अपने पदों से इस्तीफा दे दिया। मुख्यमंत्री योगी ने इस पूरे प्रकरण पर सख्त लहजे में कहा, एसआईटी रिपोर्ट आते ही कार्रवाई शुरू हो गई। हम सच्चाई और झूठ को अलग–अलग कर देंगे। सनातन धर्म के विश्वास के साथ छेड़छाड़ करने वालों को परिणाम भुगतना पड़ेगा। किसी को भी छूट नहीं दी जाएगी। कई सार्वजनिक मंचों से उन्होंने बार–बार यही संदेश दोहराया कि एसआईटी की रिपोर्ट आते ही कार्रवाई शुरू हो गई है और जन आस्था के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, दूध का दूध और पानी का पानी होगा। लेकिन सियासी पिच पर यह मामला अब सिर्फ प्रशासनिक कार्रवाई तक सीमित नहीं रहा। अखिलेश यादव के आरोपों के बाद योगी और भाजपा ने भी पलटवार में देर नहीं की। सीएम योगी ने याद दिलाया कि सपा सरकार के दौरान ही थानों और जेलों में जन्माष्टमी मनाने पर रोक लगाई गई थी और कांवड़ यात्रा प्रतिबंधित थी। साथ ही कारसेवकों पर गोली चलाने के अतीत को दोहराकर बीजेपी ने सपा को बैकफुट पर धकेलने की कोशिश की। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, यह त्वरित और कठोर कार्रवाई अखिलेश के उस आरोप की धार कुंद करने की रणनीति है कि सरकार भ्रष्टाचार को संरक्षण दे रही है। देवरिया की एक सभा में सीएम योगी ने और तीखा रुख अपनाते हुए कहा, अयोध्या पर आक्षेप मत करो, प्रभु श्रीराम की मर्यादा का पालन करना सीखो। इस पूरे विवाद में कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और असदुद्दीन ओवैसी सहित लगभग सभी विपक्षी दल सक्रिय हो गए हैं। आम आदमी पार्टी नेता संजय सिंह ने भी योगी सरकार को घेरते हुए कहा था कि राम मंदिर जैसे आस्था के केंद्र में दान राशि की कथित चोरी बेहद गंभीर मामला है और इसकी निष्पक्ष व पारदर्शी जांच होनी चाहिए, दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

45 करोड़ की लागत से बनेगा लेहड़ा देवी कॉरिडोर, अर्धचंद्राकार स्वरूप में निखरेगी भव्यता

संवाददाता—महराजगंज। जनपद के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल लेहड़ा देवी मंदिर के दिन अब बहुरने वाले हैं। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से इस ऐतिहासिक स्थल को भव्य पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित करने के लिए 45 करोड़ रुपये की लागत से लेहड़ा देवी कॉरिडोर निर्माण की तैयारी शुरू हो गई है। इसका डीपीआर तैयार कर लिया गया है। जल्द ही इसे प्रमुख सचिव पर्यटन को भेजा जाएगा। 30 एकड़ क्षेत्रफल में फैले इस पूरे मंदिर परिसर को फसाड लाइटिंग व आधुनिक संसाधनों से लैस कर इसका कायाकल्प किया जाएगा।

कॉरिडोर के तहत मंदिर का स्वरूप अर्धचंद्राकार होगा। परिसर में एक भव्य प्रवेश द्वार बनाया जाएगा, जिसके दोनों ओर हाईटेक सुरक्षा कक्ष प्रसाद कक्ष, श्रद्धालु विश्राम कक्ष, फर्स्ट एड कक्ष, यूटिलिटी रूम व जूता–चप्पल स्टैंड सहित विभिन्न जनसुविधाएं विकसित की जाएंगी। मंदिर की बाउंड्री पर आकर्षक मूर्तियां स्थापित की जाएंगी व दीवारों पर बेहतरीन धार्मिक व आध्यात्मिक नक्काशी की जाएगी। घाट लाल बलुआ पत्थरों व हरित पट्टियों से सुसज्जित होगा। श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए परिसर में 24 कमरों का सर्वसुविधायुक्त निवास स्थान भी बनाया जाएगा। इस महापरियोजना के तहत मंदिर के सरोवर व घाटों का व्यापक सुंदरीकरण होगा। जलाशयों को स्वच्छ रखने के लिए आधुनिक नैनो बबल तकनीकी से सफाई कराई जाएगी व यहां आने वाले पर्यटकों के लिए लाइट एंड साउंड शो स्थापित होगा। इसके अलावा, पुराने घाटों के जीर्णोद्धार के साथ लाल बलुआ पत्थर से नए घाट, आधुनिक हवनकुंड व यज्ञशाला का निर्माण कराया जाएगा। परिसर में कड़ाही चढ़ाने की पौराणिक प्रथा के लिए एक डेडिकेटेड एरिया व वाहनों के लिए डेडीकेटेड पार्किंग बनेगी। स्थानीय दुकानों को व्यवस्थित कर उनके अग्रभाग को सुंदर बनाया जाएगा व दुकानों के बीच सड़कों के ऊपर आधुनिक शेड डाले जाएंगे।

इस संबंध में डीएम गौरव सिंह सोगरवाल ने बताया कि लेहड़ा देवी मंदिर की ऐतिहासिक व आध्यात्मिक महत्ता को देखते हुए 45 करोड़ रुपये की लागत से भव्य कॉरिडोर बनाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इसकी डीपीआर स्वीकृति के लिए प्रमुख सचिव पर्यटन को भेजा जाएगा। इस परियोजना से जहां स्थानीय पर्यटन व रोजगार को बढ़ावा मिलेगा, वहीं श्रद्धालुओं को विश्वस्तरीय आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी।

डीएम ने कृषि अधिकारियों को फटकारा, कंपनियों को ब्लैकलिस्ट करने की चेतावनी

संवाददाता—गोण्डा। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने कृषि विभाग के अधिकारियों और उर्वरक कंपनियों के प्रतिनिधियों को कड़ी चेतावनी दी है। बुधवार देर शाम कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में उन्होंने डीएपी–यूरिया के साथ अन्य सामग्री की जबरन बिक्री पर नाराजगी व्यक्त की। जिलाधिकारी ने उर्वरकों की आपूर्ति में लापरवाही, निर्धारित मूल्य से अधिक वसूली और डीएपी–यूरिया के साथ अन्य सामग्री की जबरन बिक्री पर गंभीर नाराजगी जताई। उन्होंने निजी कंपनियों को समय पर उर्वरक आपूर्ति का विवरण उपलब्ध न कराने और टैगिंग की शिकायतों पर कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्देश दिया।

डीएम ने कहा कि किसानों को निर्धारित मूल्य पर पर्याप्त उर्वरक मिलना चाहिए और किसी भी तरह की टैगिंग नहीं होनी चाहिए। शिकायत मिलने पर संबंधित कंपनियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उन्हें ब्लैकलिस्ट किया जाएगा।

डीएम ने सहकारी समितियों पर उर्वरकों की कम उपलब्धता और आपूर्ति में लगे वाहनों की सूची न देने पर भी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी करने और शासन को रिपोर्ट भेजने की चेतावनी दी। मुजेहना ब्लॉक में उर्वरक की कमी को देखते हुए सहकारी समितियों और निजी व्यापारियों की विशेष निगरानी के निर्देश भी दिए गए।

जिलाधिकारी ने सभी कंपनियों को 24 घंटे के भीतर उर्वरक आपूर्ति में लगे वाहनों का पूरा विवरण उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने थोक उर्वरक विक्रेताओं को चेतावनी दी कि ओवररेटिंग या टैगिंग की शिकायत मिलने पर एस्मा के तहत कार्रवाई की जाएगी।

रेलवे ने टीईटी अभ्यर्थियों के लिए चलाईं स्पेशल ट्रेन

संवाददाता—देवरिया। उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपी टीईटी) 2026 में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए रेलवे प्रशासन ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इसके तहत, वाराणसी और गोरखपुर के बीच विशेष अनारक्षित परीक्षा स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी। इन ट्रेनों का संचालन 1 से 4 जुलाई तक निर्धारित तिथियों पर होगा, जिससे पूर्वांचल के परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने में आसानी होगी।

05149 वाराणसी–गोरखपुर अनारक्षित परीक्षा स्पेशल ट्रेन 1 जुलाई से 3 जुलाई तक प्रतिदिन संचालित होगी। यह ट्रेन शाम 7:30 बजे वाराणसी से रवाना होगी और औड़िहार, जखनियां, मऊ, बेल्थरा रोड, सलेमपुर, भटनी, देवरिया सदर तथा चौरीचौरा स्टेशनों पर रुकते हुए रात 1:00 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। वापसी में, 05150 गोरखपुर–वाराणसी अनारक्षित परीक्षा स्पेशल ट्रेन 2 जुलाई से 4 जुलाई तक चलेगी। यह ट्रेन रात 2:00 बजे गोरखपुर से प्रस्थान करेगी और चौरीचौरा, देवरिया सदर, भटनी, सलेमपुर, बेल्थरा रोड, मऊ, जखनियां तथा औड़िहार स्टेशनों पर ठहराव के बाद सुबह 7:15 बजे वाराणसी पहुंचेगी। रेलवे प्रशासन के अनुसार, ये ट्रेनें पूरी तरह से अनारक्षित होंगी। प्रत्येक ट्रेन में 12 सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच और दो एसएलआर कोच सहित कुल 14 डिब्बे लगाए जाएंगे। रेलवे ने अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे समय से स्टेशन पहुंचें और यात्रा के दौरान रेलवे के नियमों का पालन करें।

सपा कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का केक काटकर मनाया जन्मदिन

संवाददाता—बहराइच। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का जन्मदिन धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री यासर शाह ने नगर के काजीपुरा इलाके में पार्टी कार्यालय का उद्घाटन किया और केक काटा।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। अखिलेश यादव के प्रति अपनी निष्ठा व्यक्त करने के लिए दोनों पैरों से दिव्यांग कार्यकर्ता दुर्गादीन भी कार्यालय पहुंचे और जन्मदिन समारोह में शामिल हुए।

इस मौके पर पूर्व मंत्री यासर शाह ने बताया कि समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता पूरे जिले में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का जन्मदिन मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण के साथ ही कार्यालय पर केक काटकर यह जन्मदिन मनाया गया।

शाह ने आगे कहा कि प्रदेश की जनता मौजूदा सरकार से पूरी तरह त्रस्त है। किसान और नौजवान सभी परेशान हैं। उन्होंने दावा किया कि आगामी विधानसभा चुनाव में प्रदेश की जनता समाजवादी पार्टी की पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने का संकल्प ले चुकी है। इस कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के नगर अध्यक्ष नदीमुल हक तन्नू सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

गैस सिलेंडर से झुलसे युवक की इलाज के दौरान मौत

संवाददाता—कुशीनगर। कुशीनगर जिले के तुर्कपट्टी थाना क्षेत्र के पिपरा रज्जब गांव में रसोई गैस सिलेंडर से गैस रिसाव के बाद लगी आग में गंभीर रूप से झुलसे 35 वर्षीय प्रदीप यादव की मंगलवार की देर रात गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

25 जून की सुबह करीब नौ बजे प्रदीप यादव के घर में रसोई गैस सिलेंडर से गैस रिसाव हो रहा था। पत्नी रीता यादव ने गैस की तेज गंध आने पर इसकी जानकारी उन्हें दी। प्रदीप सिलेंडर और पाइप की जांच करने रसोई में पहुंचे, तभी अचानक आग भड़क उठी और वह उसकी चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गए।

पति को बचाने के प्रयास में पत्नी रीता यादव भी आग की चपेट में आ गईं। शोर सुनकर उनके आठ वर्षीय पुत्र विराट और 12 वर्षीय पुत्री विनीता भी मौके पर पहुंच गए और बचाव के दौरान दोनों बच्चे भी झुलस गए। ग्रामीणों ने किसी तरह आग पर काबू पाया और चारों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फाजिलनगर पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद सभी को मेडिकल कॉलेज रवींद्रनगर धूस रेफर किया गया।

प्रदीप की हालत गंभीर होने पर उन्हें गोरखपुर बीआरडी मेडिकल कॉलेज भेजा गया, जबकि पत्नी और दोनों बच्चों का उपचार के बाद घर भेज दिया गया। मंगलवार की रात मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान प्रदीप यादव ने दम तोड़ दिया। प्रदीप परिवार के इकलौते कमाऊ सदस्य थे। उनकी मौत से पूरे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

सड़क पार कर रहे बालक को बोलेरो ने रौंदा, सीसी फुटेज देख कॉप जाएगी रूह

संवाददाता—देवरिया। खुखुन्दू थाना क्षेत्र के पुरैना चौराहे के समीप देवरिया–सलेमपुर मुख्य मार्ग पर बुधवार को तेज रफ्तार बोलेरो की चपेट में आने से 11 वर्षीय बालक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद चालक बोलेरो लेकर मौके से फरार हो गया। सीसी कैमरे में कैद इस घटना को देख लोगों की रूह कॉप जा रही है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बोलेरो की तलाश शुरू कर दी है।

खुखुन्दू थाना क्षेत्र के रायपुरवा गांव निवासी बाबूलाल गोंड का 11 वर्षीय बेटा हरिओम गोंड पुरैना चौराहे पर अपने पिता के साथ ठेले पर भुजा और नमकीन बेचने में हाथ बंटाता था। बुधवार को वह घर से पैदल पिता के पास जा रहा था। वह अभी पुरैना चौराहे के पास सड़क पार कर रहा था कि उसी समय देवरिया की सलेमपुर के तरफ से तेज रफ्तार में आ रही बोलेरो उसे रौंदते हुए निकल गई। हादसे के बाद आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पीआरवी ने एंबुलेंस से घायल हरिओम को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सलेमपुर पहुंचाया, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

हरिओम गांव के ही एक सरकारी विद्यालय में कक्षा छह का छात्र था। वह तीन भाइयों में सबसे बड़ा था। उसके दो छोटे जुड़वां भाई राम और श्याम हैं, जबकि तीन बड़ी बहनें हैं। बेटे की मौत की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। किशोर की मौत पर मां प्रमिला, पिता बाबूलाल शाह का रोकर बुरा हाल है। वहीं हादसे की पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। फुटेज में हरिओम सड़क पार करता दिखाई दे रहा है, तभी तेज रफ्तार बोलेरो उसे टक्कर मारते हुए निकल जाती है।

एसएसआई राघवेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि पुरैना के समीप बोलेरो की टक्कर से किशोर की मौत हुई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बोलेरो की पहचान कर चालक की तलाश की जा रही है।

जेल का निरीक्षण कर बंदियों की समस्याएं सुनीं, निशुल्क विधिक सहायता की दी जानकारी

संवाददाता—महराजगंज। जनपद न्यायाधीश के निर्देश पर सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण महराजगंज सुनील कुमार नागर ने जिला कारागार का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बाल बैरक और महिला बैरक का जायजा लिया तथा बंदियों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं।

संबंधित मामलों के समाधान के लिए जेल प्रशासन को आवश्यक निर्देश भी दिए।निरीक्षण के दौरान सचिव ने बाल बैरक में निरुद्ध बंदियों की आयु की जानकारी ली। जांच में कोई भी किशोर बंदी नहीं पाया गया।

इसके बाद महिला बैरक में जाकर महिला बंदियों से उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली और उनके उचित निस्तारण के लिए जेल अधीक्षक को निर्देशित किया।

सचिव सुनील कुमार नागर ने बंदियों को बताया कि जो बंदी आर्थिक रूप से कमजोर हैं और अपने मुकदमों की पैरवी के लिए अधिवक्ता रखने में असमर्थ हैं, वे जेल अधीक्षक के माध्यम से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को प्रार्थना पत्र भेज सकते हैं। ऐसे पात्र बंदियों को निशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। निरीक्षण के दौरान बैरकों की साफ–सफाई और अन्य व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया गया।

सचिव ने कारागार परिसर की साफ–सफाई को संतोषजनक पाया। इस अवसर पर डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल आशुतोष पांडेय, सहायक लीगल एड डिफेंस काउंसिल ज्ञानेन्द्र कुमार मिश्र, नौशाद आलम, जेल अधीक्षक बीके गौतम, प्रभारी जेलर रत्ना सिंह, डिप्टी जेलर अविनाश, राम उग्गन, जेल चिकित्सक डॉ. श्याम बाबू सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सहायक लेखाकार पर हमला, एक लाख लूट का आरोप

संवाददाता—महराजगंज। फरेंदा कोतवाली क्षेत्र के परसाबेनी बाजारडीह साधन सहकारी समिति पर बुधवार को खाद वितरण के दौरान सहायक लेखाकार पर जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। इस हमले में सहायक लेखाकार गंभीर रूप से घायल हो गया। पीड़ित ने गांव के ही कुछ नामजद और करीब 10 अज्ञात लोगों पर मारपीट करने और समिति के 1 लाख लेकर फरार होने का आरोप लगाया है।कोतवाली में दी गई तहरीर के अनुसार फरेंदा बुजुर्ग निवासी सुदीप कुमार गुप्ता परसाबेनी स्थित साधन सहकारी समिति में सहायक लेखाकार के पद पर कार्यरत हैं। आरोप है कि बुधवार को समिति परिसर में किसानों को खाद का वितरण किया जा रहा था।

इसी दौरान बाजारडीह निवासी आरोपित अपने तीन बेटों समेत करीब 10 अज्ञात लोगों के साथ हाथों में लाठी–डंडे व धारदार हथियार लेकर वहां पहुंचे। उधार खाद की मांग करने लगे।उधार खाद देने से साफ इनकार आरोपित भड़क गए। हमला कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही डायल–112 पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। फरेंदा थानाध्यक्ष राघवेन्द्र सिंह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

पंचायत चुनाव की तिथि, आरक्षण सूची जारी करने की मांग, महराजगंज में राष्ट्रीय अधिकार संघ ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता—महराजगंज। महराजगंज में राष्ट्रीय अधिकार संघ ने बुधवार को जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर उत्तर प्रदेश के त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव–2026 की प्रक्रिया शीघ्र शुरू करने की मांग की है। संगठन ने चुनाव की तिथि घोषित करने, आरक्षण सूची जारी करने और पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट समयबद्ध ढंग से न्यायालय में प्रस्तुत करने की अपील की है।

ज्ञापन में कहा गया है कि पंचायत चुनाव की तिथि और आरक्षण सूची 10 या 13 जुलाई 2026 तक घोषित की जाए, ताकि चुनाव प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब न हो। संगठन ने यह भी मांग की कि पिछड़ा वर्ग आयोग अपनी रिपोर्ट निर्धारित समय तक माननीय न्यायालय में प्रस्तुत करे। यदि आयोग ऐसा नहीं कर पाता है, तो सरकार सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व निर्णय के अनुरूप सभी सीटों को सामान्य मानकर चुनाव कराने पर विचार करे। राष्ट्रीय अधिकार संघ ने प्रदेश की लगभग 58 हजार ग्राम पंचायतों में निष्पक्ष, पारदर्शी एवं संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप चुनाव कराने की मांग की है।

संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि 10 या 13 जुलाई तक उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो 14 जुलाई 2026 को लखनऊ में व्यापक धरना–प्रदर्शन किया जाएगा। इस दौरान बड़ी संख्या में संभावित प्रत्याशी विधानसभा की ओर कूच करेंगे। ज्ञापन में सरकार से लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा करते हुए शीघ्र आवश्यक कार्रवाई करने का अनुरोध किया गया है।

पैगंबर मोहम्मद पर टिप्पणीः मुस्लिम समाज का विरोध, नाजिया इलाही खान के खिलाफ कार्रवाई की मांग

संवाददाता—गोण्डा। सोशल मीडिया एक्टिविस्ट नाजिया इलाही खान द्वारा पैगंबर मोहम्मद साहब पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर मुस्लिम समाज में गुस्सा है। बुधवार शाम गोंडा के करनैलगंज में मुस्लिम समाज के लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया और पुलिस को तहरीर सौंपकर कार्रवाई की मांग की। कांग्रेस प्रदेश सचिव त्रिलोकी नाथ तिवारी के नेतृत्व में दर्जनों मुस्लिम समाज के लोग करनैलगंज कोतवाली पहुंचे। उन्होंने पुलिस को एक तहरीर सौंपी, जिसमें मामले में विधिक कार्रवाई की मांग की गई है।

यह तहरीर इफ्तिखार अंसारी और मैनुद्दीन की ओर से दी गई है। तहरीर में आरोप लगाया गया है कि नाजिया इलाही खान ने पैगंबर मोहम्मद को लेकर अत्यंत आपत्तिजनक और भड़काऊ टिप्पणी की है, जिससे देशभर के करोड़ों मुसलमानों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं।

प्रदर्शनकारियों का कहना था कि किसी भी धर्म, उसके आराध्य, धार्मिक महापुरुषों या किसी समुदाय के बारे में आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग सामाजिक सौहार्द के लिए उचित नहीं है। मुस्लिम समाज ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर सख्त कार्रवाई करने की मांग की। कांग्रेस प्रदेश सचिव त्रिलोकी नाथ तिवारी ने कहा कि समाज में शांति और आपसी सम्मान बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है।

करनैलगंज कोतवाल नरेंद्र प्रताप राय ने बताया कि उन्हें शिकायत पत्र मिला है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह घटना गोंडा से संबंधित नहीं है, इसलिए यहां से कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। उन्होंने सुझाव दिया कि शिकायतकर्ता को वहां शिकायत करनी चाहिए जहां आरोपी रहती है। हालांकि, पुलिस ने बताया कि शिकायती पत्र का संज्ञान लेते हुए पूरे मामले की जांच की जा रही है।

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)

न्यायालय–श्रीमान नायब तहसीलदार नगर महोदय अयोध्या

वाद सं. 18374 / 2025

कं. वाद सं. टी. 20250423018374

चन्द्रावती विश्वकर्मा

बनाम

राम कुमार

बनाम–1– मुकेश कुमार पुत्र स्वर्गीय रामपदारथ निवासी कोरखाना तहसील सदर जिला– अयोध्या

तारीख पेशी 07–07–2026

चूंकि उपरिनामांकित प्रार्थी ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि मुसम्मा संलग्नअतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2026 के माह 07 के 07 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रुपेण अनुदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 26 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

नौतनवा रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा एजेंसियों ने चलाया जागरूकता अभियान

संवाददाता—महराजगंज। नौतनवा रेलवे स्टेशन पर बुधवार को रेलवे सुरक्षा बल, पुलिस, एसएसबी, जीआरपी और पूर्वांचल ग्रामीण सेवा समिति की टीम ने संयुक्त रूप से जागरूकता अभियान चलाया। रेलयात्रियों, बच्चों, महिलाओं को बाल अधिकार, बाल श्रम, बाल विवाह, बाल तस्करी जैसी कुप्रथा को दूर करने के प्रति जागरूक किया। यात्रियों को हेल्पलाइन नंबर की जानकारी दी गई और किसी भी तरह की समस्या एवं आपात स्थिति होने पर तत्काल आरपीएफ व जीआरपी को सूचित करने की सलाह दी गई मानव तस्करी की रोकथाम, बच्चों को शिक्षित करने व बाल विवाह को रोकने जैसे मामलों को लेकर सुरक्षा एजेंसियों की टीम ने रेलवे स्टेशन परिसर में बैठक की। रणनीति के तहत टीम में शामिल अधिकारियों ने रेलवे स्टेशन पहुंचे यात्रियों को रेलवे सुरक्षा से जुड़ी कई तरह की जानकारियां उपलब्ध कराईं। साथ ही यात्रा के दौरान सावधानी बरतने पर जोर दिया। आरपीएफ उप निरीक्षक संजय कुमार राय ने बताया कि यात्रा के दौरान परिवार के सभी सदस्य एक साथ रहें। यात्रा के दौरान किसी भी तरह के प्रलोभन या लालच में ना पड़े। असुविधा होने पर रेलवे हेल्पलाइन नंबर पर तत्काल सूचित करें। टीम के लोगों ने यात्रियों को शिक्षा के प्रति जागरूक करते हुए बच्चों को स्कूल भेजने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान नौतनवा थाने की उप निरीक्षक अनामिका चौहान, एसएसबी 66वीं बटालियन के निरीक्षक कुमार पवन, श्रवण कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

राम मंदिर चढ़ावा चोरीः आरोपी अविनाश शुक्ला के कमरे में मिला 'रामराज्य कोष' का संदूक, क्यूआर कोड भी लगा

संवाददाता—अयोध्या। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में पुलिस जांच लगातार जारी है। आरोपियों से जेल में पूछताछ की जा रही है। वहीं, उनके ठिकानों पर भी छापेमारी भी की जा रही है। मामले में अभी तक 80 लाख रुपये तक की बरामदगी का दावा किया गया है। जांच कर रही एसआईटी ने आरोपी अविनाश शुक्ला के कमरे से एक संदूक बरामद किया है जिस पर रामराज्य कोष लिखा हुआ है और इस पर पेटीएम का फ़ा कोड भी लगा हुआ है। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। यहां पर मौजूद श्याम साधनालय की योगाचार्य सीमा तिवारी ने अमर बताया कि अविनाश शुक्ला पिछले करीब डेढ़ वर्ष से अयोध्या में रह रहे थे और राम मंदिर से जुड़ी गतिविधियों में कार्यरत थे। उनके अनुसार, अविनाश का परिचय योग गुरु डॉ. चैतन्य और उनके भाई अभिषेक के माध्यम से हुआ था। वहीं, 5 जून के प्रत्यक्षदर्शी सेवादार सुंदरलाल ने बताया कि उस दिन पुलिस कुछ लोगों के साथ अविनाश को किराये के मकान पर लेकर आई थी। उनके अनुसार, घर से एक बैग निकाला गया, जिसमें कुछ नकदी थी। इसके बाद उन्हें बाहर कर दिया गया और पुलिस अविनाश को अपने साथ ले गई। हालांकि, इन बयानों की पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और अब तक बरामद नकदी या उसके स्रोत को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी जारी नहीं की गई है। राम मंदिर की चढ़ावा चोरी के सभी आठ आरोपी जिला कारागार में बंद है। चर्चा है कि मंगलवार की उनमें आपस में किसी बात को लेकर नोकझोंक व विवाद भी हुआ है। हालांकि जेल प्रशासन ने इसकी पुष्टि नहीं की है। वहीं, सुरक्षा के दृष्टिगत जेल प्रशासन विशेष सतर्कता बरत रहा है। आरोपियों को कड़ी सुरक्षा के बीच रखा गया है। बैरकों के बाहर भी सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं। जेल प्रशासन का प्रयास है कि आरोपी एक दूसरे से मिल ना सके। वहीं, जांच के दौरान यह चौंकाने वाली बात सामने आई है कि जेल में निरुद्ध होने के बाद से लेकर अब तक परिजनों ने आरोपियों से सिर्फ एक बार मुलाकात की है जबकि जेल प्रशासन के नियमानुसार किसी भी विचाराधीन बंदी से सप्ताह में तीन बार मुलाकात का प्रावधान है। वहीं आरोपियों ने किसी से फोन पर भी बातचीत की इच्छा नहीं बताई है। जबकि नियमानुसार दो मोबाइल नंबरों पर कोई भी विचाराधीन बंदी बात कर सकता है। उसके पहले उसका पुलिस सत्यापन कराया जाता है।

एम्स के रैन बसेरा के केयरटेकर ने फंदे से लटककर दी जान

संवाददाता—गोरखपुर। एम्स अस्पताल परिसर स्थित रैन बसेरा के एक केयरटेकर ने फंदे से लटककर जान दे दी। घटना की सूचना मिलने पर डायल—112 और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। खुदकुशी के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। मामले की जांच के लिए पुलिस ने मृतक का मोबाइल फोन कब्जे में ले लिया है। रामगढ़ताल थाना क्षेत्र के इंदिरानगर निवासी शुभम शुक्ला (पुत्र जनार्दन शुक्ला) एम्स परिसर में स्थित रैन बसेरा में केयरटेकर के रूप में कार्यरत थे। उनका भाई भी वहीं केयरटेकर है। पुलिस के अनुसार बुधवार भोर करीब चार बजे शुभम अपने कमरे से निकलकर छत पर बने कमरे में गए थे। काफी देर तक वापस नहीं लौटने पर परिजनों को चिंता हुई। सुबह करीब साढ़े पांच बजे पिता जनार्दन शुक्ला और अन्य परिजन छत पर बने कमरे में पहुंचे तो शुभम का शव नायलॉन की रस्सी के सहारे फंदे से लटका मिला। परिजनों ने तत्काल शव को नीचे उतारा और डायल—112 को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल की जांच की। प्रभारी निरीक्षक सुनील राय ने बताया कि पुलिस के पहुंचने से पहले ही शव को फंदे से उतारा जा चुका था। परिवार के लोग पोस्टमार्टम नहीं कराना चाहते थे, लेकिन परिस्थितियां संदिग्ध होने और मौत के कारण स्पष्ट न होने के चलते शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक जांच में आत्महत्या के पीछे की वजह सामने नहीं आई है। मृतक का मोबाइल फोन कब्जे में लेकर उसकी जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और मोबाइल से मिलने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सेवाभाव, सादगी और कर्तव्यनिष्ठा की मिसाल रहे एडीओ पंचायत सहज राम को भावभीनी विदाई

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। बस्ती सदर विकास खंड के सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) सहज राम के सेवानिवृत्त होने पर ब्लॉक मुख्यालय पर गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, कर्मचारियों एवं ग्राम प्रधानों ने उन्हें भावभीनी विदाई देते हुए उनके लंबे, निष्कलंक एवं समर्पित सेवाकाल की सराहना की। वक्ताओं ने कहा कि सहज राम ने अपने कार्यकाल में पंचायत प्रशासन को सुचारु एवं प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया और अपने सरल, सौम्य तथा सहयोगात्मक व्यवहार से सभी का सम्मान अर्जित किया। समारोह के मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख राकेश कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि किसी भी संस्था की वास्तविक शक्ति उसके कर्मठ और ईमानदार कर्मचारी होते हैं।

सहज राम जी ने अपने पूरे सेवाकाल में पूरी निष्ठा, पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करते हुए विभाग की गरिमा को बढ़ाया। उन्होंने कहा कि उनकी कार्यशैली आने वाली पीढ़ी के कर्मचारियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेगी तथा उनके अनुभवों का लाभ लंबे समय तक विभाग को मिलता रहेगा।

खंड विकास अधिकारी श्री शिवमणि ने कहा कि सहज राम जी का सेवाकाल अनुशासन, समयबद्धता और कर्तव्यपरायणता का उत्कृष्ट उदाहरण रहा है। उन्होंने पंचायत व्यवस्था को मजबूत बनाने तथा शासन की योजनाओं को धरातल तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि एक अधिकारी के रूप में उनकी कार्यकुशलता और एक सहकर्मी के रूप में उनकी आत्मीयता सदैव स्मरणीय रहेगी।

एडीओ (आईएसबी) राज नारायण शुक्ला सहित उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सहज राम ने हमेशा टीम भावना के साथ कार्य किया। उन्होंने कनिष्ठ कर्मचारियों का मार्गदर्शन किया और प्रत्येक दायित्व का निर्वहन पूरी ईमानदारी एवं संवेदनशीलता के साथ किया। उनके सरल व्यक्तित्व, सहज व्यवहार और सकारात्मक कार्यशैली ने सभी के बीच विशेष पहचान बनाई।

समारोह के दौरान अधिकारियों, कर्मचारियों एवं ग्राम प्रधानों ने पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र एवं स्मृति–चिह्न भेंट कर उनका सम्मान किया। वक्ताओं ने उनके उत्तम स्वास्थ्य, सुखद, सक्रिय एवं सम्मानपूर्ण जीवन की मंगलकामनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि सेवानिवृत्ति केवल शासकीय सेवा का समापन है, समाज और परिवार के प्रति नई जिम्मेदारियों की शुरुआत भी है।

अपने उद्बोधन में सहज राम ने भावुक होते हुए कहा कि उन्हें अपने पूरे सेवाकाल में वरिष्ठ अधिकारियों, सहकर्मियों, जनप्रतिनिधियों एवं ग्राम प्रधानों का भरपूर सहयोग, स्नेह और विश्वास मिला। यही सहयोग उनकी सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे जीवनभर इन आत्मीय संबंधों और कार्यस्थल से जुड़ी मधुर स्मृतियों को संजोकर रखेंगे।

इस अवसर पर विकास खंड के विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी, ग्राम प्रधान तथा क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। पूरे समारोह का वातावरण आत्मीयता, सम्मान और भावनात्मक अपनत्व से ओतप्रोत रहा। उपस्थित सभी लोगों ने सहज राम के दीर्घायु, स्वस्थ एवं सुखमय जीवन की कामना करते हुए उनके योगदान को सदैव स्मरणीय बताया।

60 लाख की हेरोइन बरामद, नेपाल ले जाकर करते थे सप्लाई, दो तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 308 ग्राम हेरोइन के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। बरामद हेरोइन की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 60 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त कार और दो मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं।

पुलिस और स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) की संयुक्त टीम ने मंगलवार देर रात जमुआर नाला के पास 308 ग्राम हेरोइन के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया।

पुलिस के अनुसार बरामद हेरोइन की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 60 लाख रुपए है। तस्करों के कब्जे से एक कार और दो मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं। यह कार्रवाई नेपाल सीमा से सटे जिले में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई।

बुधवार को पुलिस लाइंस में आयोजित प्रेस वार्ता में अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद ने बताया कि थाना प्रभारी मिथिलेश कुमार राय और एसओजी प्रभारी चंद्रकांत पांडेय के नेतृत्व में संयुक्त टीम संदिग्ध वाहनों की जांच कर रही थी।

इसी दौरान जमुआर नाला के पास एक संदिग्ध कार को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें 308 ग्राम अवैध हेरोइन बरामद हुई। इस सफलता पर पुलिस टीम को 10 हजार रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा भी की गई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अनिल निषाद (निवासी मदरहना उर्फ रामनगर, थाना कपिलवस्तु) और कोमल निषाद (निवासी आंबेडकर नगर मोगलहा, थाना उसका बाजार) के रूप में हुई है। पूछताछ में दोनों ने हेरोइन की खरीद–फरोख्त में लंबे समय से शामिल होने की बात स्वीकार की।

पुलिस के मुताबिक बरामद हेरोइन नेपाल में सप्लाई की जानी थी। मामले में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि हेरोइन की खेप कहां से आई, इसके पीछे कौन–कौन लोग शामिल हैं और इसका नेटवर्क किन जिलों, राज्यों तथा नेपाल तक फैला हुआ है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जिले में नशे के कारोबार के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

गोरखपुर में बूथ तक डिजिटल पहुंच, चुनावी जमीन मजबूत करने में जुटी भाजपा

संवाददाता—गोरखपुर। आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी के क्रम में भारतीय जनता पार्टी ने अब संगठन को डिजिटल रूप से मजबूत करने की बड़ी कवायद शुरू कर दी है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के अंतर्गत भाजपा नेतृत्व ने डिजिटल लर्निंग प्रोग्राम शुरू किया है, जिसके जरिए बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं को आननलाइन प्रशिक्षण दिया जाएगा। पार्टी का लक्ष्य केवल तकनीकी दक्षता बढ़ाना नहीं, बल्कि विचार, संगठन और सरकार की योजनाओं को डिजिटल माध्यम से जनता तक पहुंचाने के लिए एक प्रशिक्षित नेटवर्क तैयार करना भी है। इस अभियान में मंडल, बूथ समिति, मोर्चा और प्रकोष्ठों के कार्यकर्ताओं को मोबाइल एप और आनलाइन प्लेटफार्म के जरिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। हर बूथ पर कम से कम 11 कार्यकर्ताओं और पन्ना प्रमुखों को प्रशिक्षण से जोड़ने की जिम्मेदारी तय की गई है। इसके लिए जिला और मंडल स्तर पर विशेष कार्यशाला आयोजित करने की योजना बनाई गई है। प्रशिक्षण में भाजपा परिवार, केंद्र सरकार की योजनाएं, संगठनात्मक कार्यक्रम और नमो एप जैसे विषय शामिल किए गए हैं। कार्यकर्ताओं को वीडियो देखने, आनलाइन अध्ययन करने और प्रश्नोत्तरी हल करने के बाद डिजिटल प्रमाणपत्र भी मिलेगा। पार्टी इसे केवल प्रशिक्षण कार्यक्रम नहीं बल्कि संगठन

की नई कार्यशैली का हिस्सा मान रही है।

दरअसल भाजपा अब पारंपरिक जनसंपर्क के साथ डिजिटल संपर्क को भी चुनावी रणनीति का केंद्रीय आधार बना रही है। बूथ स्तर पर प्रशिक्षित कार्यकर्ता सोशल मीडिया, वाट्सएप समूहों और मोबाइल एप के जरिए मतदाताओं तक तेजी से पहुंच सकेंगे। इससे पार्टी को संदेश प्रसार, फीडबैक और चुनावी प्रबंधन में बढ़त मिलने की उम्मीद है।

भाजपा ने अभियान के संचालन के लिए जिला, क्षेत्र और मंडल स्तर पर अलग–अलग टीमें गठित करने के निर्देश दिए हैं। इनमें आइटी और इंटरनेट मीडिया से जुड़े कार्यकर्ताओं की विशेष भूमिका तय की गई है। शक्ति केंद्र प्रवासी और तकनीकी सहायकों को भी जिम्मेदारी सौंपी गई है, ताकि बूथ स्तर तक सभी कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण सुनिश्चित किया जा सके। शक्ति केंद्र प्रवासी और तकनीकी सहायक तय करने की जिम्मेदारी जिलाध्यक्ष व महानगर अध्यक्ष पर सौंपी गई है। भाजपा की यह कवायद सीधे तौर पर आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति से जोड़कर देखी जा रही है। पार्टी पहले ही बूथ प्रबंधन माडल को अपनी सबसे बड़ी ताकत मानती रही है। अब डिजिटल प्रशिक्षण के जरिए उसी माडल को तकनीकी रूप से और अधिक सक्षम बनाने की कोशिश हो रही है। आने वाले चुनाव में इंटरनेट मीडिया नैरेटिव, आनलाइन प्रचार और त्वरित संवाद निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। भाजपा हमेशा समय के अनुसार संगठनात्मक कार्यशैली में बदलाव करती रही है। डिजिटल लर्निंग कार्यक्रम से बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं की क्षमता बढ़ेगी और सरकार की योजनाओं को तेजी से जनता तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। आगामी चुनाव में प्रशिक्षित और तकनीकी रूप से सक्षम कार्यकर्ता संगठन की बड़ी ताकत बनेंगे।

चिकित्सक व सीए दिवस पर 35 युवाओं ने किया रक्तदान

संवाददाता—गोरखपुर। चिकित्सक दिवस व सीए दिवस के अवसर पर गुरु श्री गोरक्षनाथ ब्लड सेंटर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसका आयोजन गोरखनाथ ब्लड बैंक एवं रोटरी क्लब मिडटाउन ने किया। कार्यक्रम में मिडटाउन के अध्यक्ष सीए गौरव अग्रवाल एवं सचिव सीए रौनक गोयल ने रक्तदान को मानवता की सर्वोच्च सेवा बताया। शिविर में डॉ. अमृता सरकारी, डॉ. सुनील वैद्य, सीए प्रसून्न गोयल, आशुतोष पांडेय एवं शशांक अग्रवाल समेत 35 लोगों ने रक्तदान किया। कार्यक्रम में अम्बरीश अग्रवाल, अनंत अग्रवाल, बाल कृष्ण अग्रवाल, मंजू अग्रवाल, त्रिलोक गुप्ता एवं कीर्ति रामदास उपस्थित रहे।

मलिन बस्ती के बच्चों संग मनाया सपा सुप्रिमो का जन्मदिन

संवाददाता—गोरखपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के जन्मदिन पर बसंतपुर लालडिग्गी स्थित मलिन बस्ती में सेवा एवं सामाजिक सरोकार आयोजित हुआ। कार्यक्रम का नेतृत्व पार्षद विजेन्द्र कुमार अग्रहरी (मंगल) ने किया। इस दौरान केक काटकर अखिलेश यादव के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की गई इसके पश्चात मलिन बस्ती के जरूरतमंद बच्चों को कॉपी, किताब, पेंसिल, रबर, कटर एवं स्कूल बैग वितरित किए गए। विजेन्द्र कुमार अग्रहरी (मंगल) ने कहा कि जननायक अखिलेश यादव का जन्मदिन केवल उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि समाज के वंचित एवं जरूरतमंद वर्ग के प्रति सेवा, सहयोग और संवेदनशीलता का संदेश देने का दिन है। शिक्षा ही समाज को आगे बढ़ाने का सबसे सशक्त माध्यम है। बच्चों को शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराना इसी दिशा में एक छोटा–सा प्रयास है।

मुख्यमंत्री के प्रस्तावित आगमन को लेकर तैयारियां तेज, विधायक श्यामधनी राही और जिलाधिकारी ने कार्यक्रम स्थल का किया निरीक्षण

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। विधानसभा क्षेत्र कपिलवस्तु में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रस्तावित आगमन को लेकर प्रशासनिक और राजनीतिक स्तर पर तैयारियां तेज हो गई हैं। कपिलवस्तु विधायक श्यामधनी राही ने जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. सहित वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कार्यक्रम स्थल का विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने तैयारियों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान विधायक श्यामधनी राही ने मंच निर्माण, जनसभा स्थल, सुरक्षा व्यवस्था, वाहन पार्किंग, आवागमन मार्ग, पेयजल व्यवस्था, स्वच्छता, विद्युत आपूर्ति, बैरिकेडिंग और विशिष्ट अतिथियों व आमजन की सुविधाओं से जुड़े सभी बिंदुओं का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए और कहा कि बड़ी संख्या में लोगों की संभावित उपस्थिति को देखते हुए सभी व्यवस्थाएं समय रहते पूरी कर ली जाएं। इस अवसर पर जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन., सांसद प्रतिनिधि रिंकू पाल, उपजिलाधिकारी राहुल सिंह, क्षेत्राधिकारी विश्वजीत और लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता कमल किशोर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने विधायक को अब तक की गई तैयारियों की जानकारी दी और बताया कि कार्यक्रम स्थल को अंतिम रूप देने का कार्य तेजी से जारी है। मुख्यमंत्री के आगमन के मद्देनजर प्रशासन विशेष रूप से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्क है। कार्यक्रम स्थल के आसपास व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए जा रहे हैं। यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए एक अलग कार्ययोजना तैयार की जा रही है, ताकि कार्यक्रम के दौरान आम लोगों को कोई असुविधा न हो। इसके अतिरिक्त, पर्याप्त पार्किंग स्थल विकसित करने और भीड़ प्रबंधन के लिए आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जा रही है। विधायक श्यामधनी राही ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री का कार्यक्रम जनपद और विशेष रूप से कपिलवस्तु क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऐसे में सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी व्यवस्थाएं पूर्ण कर लें। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम स्थल पर स्वच्छता, पेयजल, विद्युत आपूर्ति और आमजन की सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कपिलवस्तु आगमन क्षेत्र के विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उनके आगमन को लेकर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं और क्षेत्रीय जनता में विशेष उत्साह का माहौल है। गांव–गांव और कस्बों में कार्यक्रम को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं तथा कार्यकर्ता कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए तैयारियों में जुट गए हैं। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार कार्यक्रम को लेकर सभी विभागों को जिम्मेदारियां सौंप दी गई हैं। समय–समय पर स्थलीय निरीक्षण कर तैयारियों की समीक्षा की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा, सुविधा और व्यवस्थाओं के प्रत्येक पहलू पर गंभीरता से काम किया जा रहा है, ताकि कार्यक्रम का आयोजन पूरी गरिमा, सुव्यवस्था और सफलता के साथ संपन्न कराया जा सके। मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे को लेकर जनपद में राजनीतिक और प्रशासनिक गतिविधियां भी तेज हो गई हैं। कार्यक्रम स्थल पर तैयारियों का सिलसिला लगातार जारी है और आने वाले दिनों में सुरक्षा तथा व्यवस्थाओं को लेकर कई उच्चस्तरीय बैठकें होने की संभावना है।

नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने के बाद की थी हत्या, पुलिस ने मुठभेड़ में दोनों आरोपियों को किया गिरफ्तार

संवाददाता—संतकबीरनगर। पुलिस ने किशोरी की हत्या करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपियों को लेकर पुलिस घटनास्थल पर साक्ष्य बरामद कराने पहुंची थी। इसी दौरान आरोपी पुलिस के हिरासत से भागने लगे। लेकिन पुलिस टीम ने दोनों को घेरा तो फायरिंग कर दी। पुलिस की ओर से भी की गई जवाबी कार्रवाई में दोनों के पैर में गोली लगी। घायल दोनों आरोपियों को पहले सीएचसी मेंहदावल और बाद में जिला अस्पताल खलीलाबाद रेफर किया गया। ऑपरेशन क्रैकडाउन के तहत बेलहरकला पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने मंगलवार को बालूशासन पुल के पास से मुहम्मद शरीफ उर्फ बगेदू और मोहम्मद आमिर उर्फ निरहू उर्फ पिल्ले को गिरफ्तार किया। दोनों आरोपी टोला पनभरा, नगर पंचायत बेलहरकला के निवासी हैं। आरोपियों को मृतका का मोबाइल फोन और सिम बरामद कराने के लिए जंगल बेलहर क्षेत्र में ले जाया गया था। इसी दौरान दोनों पुलिस को चकमा देकर भागने लगे। पुलिस ने उन्हें रुकने की चेतावनी दी, लेकिन नहीं मानने पर आवश्यक बल प्रयोग करते हुए फायरिंग की, जिसमें दोनों के पैर में गोली लगी। पुलिस का कहना है कि पूछताछ में दोनों आरोपियों ने किशोरी के साथ दुष्कर्म करने के बाद उसकी हत्या करने की बात स्वीकार की है। मामले में अब दुष्कर्म, पॉक्सो अधिनियम और एससीएसटी एक्ट की धाराएं भी बढ़ाई जाएंगी।

पुलिस के मुताबिक, 28 जून को मृतका की मां ने बेलहरकला थाने में तहरीर देकर बताया था कि उनकी 16 वर्षीय बेटी करीब 15 दिन पहले लापता हो गई थी। तीन दिन पहले वह घर लौटी थी। इसके बाद 28 जून की सुबह उसका शव कब्रिस्तान के पास सागौन के पेड़ की टहनी से दुपट्टे के सहारे लटका मिला था।

प्रारंभिक जांच में पुलिस ने हत्या और साक्ष्य मिटाने का मुकदमा दर्ज किया था। जांच के बाद मामले में दुष्कर्म और अन्य गंभीर धाराएं भी जोड़ी जा रही हैं। इस मामले के खुलासे और आरोपियों की गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम को एसपी ने 25 हजार रुपए का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है।

स्कूल चलो अभियान का शुभारंभ, हर बच्चे का नामांकन कराने पर जोर

संवाददाता—गोरखपुर। मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप और इसब पढ़ें, सब बढ़ें के संकल्प को साकार करने के लिए जनपद में स्कूल चलो अभियान का शुभारंभ कर दिया गया है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी धीरेंद्र त्रिपाठी ने बताया कि अभियान का उद्देश्य छह से 14 वर्ष आयु वर्ग के सभी बच्चों का शत–प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित कर उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना है।

अभियान के तहत ईंट–भट्ठों, मलिन बस्तियों और वंचित परिवारों के ऐसे बच्चों की पहचान की जा रही है जो अभी विद्यालय से बाहर हैं। शिक्षक, शिक्षामित्र, अनुदेशक और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता घर–घर जाकर सर्वे कर रहे हैं तथा अभिभावकों को बच्चों का प्रवेश कराने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

विद्यालयों में बच्चों को आकर्षित करने के लिए ऑपरेशन कायाकल्प के तहत स्मार्ट क्लास, स्वच्छ पेयजल, शौचालय, खेलकूद सहित अन्य बुनियादी सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। वहीं, नामांकन के बाद विद्यार्थियों के अभिभावकों के खातों में डीबीटी के माध्यम से यूनिफॉर्म, जूता–मोजा, स्कूल बैग और स्वेटर के लिए निर्धारित धनराशि सीधे भेजी जा रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षा प्रत्येक बच्चे का मौलिक अधिकार है। उन्होंने जनपदवासियों, अभिभावकों और ग्राम प्रधानों से अपील की कि वे अपने आसपास के प्रत्येक बच्चे का नजदीकी परिषदीय विद्यालय में प्रवेश सुनिश्चित कर अभियान को सफल बनाएं। अभियान का उद्देश्य छह से 14 वर्ष आयु वर्ग के सभी बच्चों का शत–प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित कर उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना है।

अदालती नोटिस

सन् 1890 के अधिनियम 8 की धारा 11 के अधीन सूचना

न्यायालय— श्रीमान जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती

प्रकीर्णवाद (संरक्षक नियुक्ति) सं0 107/2026

अशोक कुमार पाण्डेय
बनाम
इस्टेट

1. अशोक कुमार पाण्डेय उम्र लगभग 46 साल पुत्र बालमुकुन्द पाण्डेय निवासी म0नं0–640/641 आवास विकास कालोनी कटरा बस्ती तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 10–07–2026

को यह सूचना दी जाती है कि उक्त आवेदक ने संरक्षक/वारिस नियुक्त किए जाने के लिए यह आवेदन दिया है अतएव यह सूचना आपत्तिकर्ताओं को उपसंजाति और बाद की पेशी के प्रयोजन के लिए 10–07–2026 दिवस नियत करके निकाली जाती है कि यदि आपको/किसी अवधि के भीतर स्वयं अथवा अभिवक्ता द्वारा 10:00 बजे पूर्वाहन के पूर्व न्यायालय के न्यायालय के उपसंजाति होकर अपनी आपत्ति पेश करें उक्त निर्णित अवधि के अवसान होने की दशा में आपकी किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और के आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित किया जायेगा। सन् 2020 के दिवस को दिनांकित

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्मुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com